साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

# देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 60 | जौनपुर, शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

## संक्षिप्त खबरें

### देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ होगें 10 नवंबर को सेवानिवृत्त

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजे आई) डीवाई चंद्रचूड़ ने अपने उत्तरा धिकारी के रूप में सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के नाम की सिफारिश की है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने पिछले निवर्तमान सीजेआई को एक पत्र भेजा था, जिसमें उनसे प्रक्रिया ज्ञापन के अनुसार सिफारिश करने को कहा गया था। सीजेआई चंद्रचूड़ भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में दो साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद 10 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उन्होंने 17 दिसंबर, 2022 को पद की शपथ ली और भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश बने। शपथ लेने के बाद जस्टिस चंद्रचूड़ ने सुप्रीम कोर्ट में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की थी। उनके पिता वाईवी चंद्रचूड़ भारत के सबसे लंबे समय तक मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) रहे और 22 फरवरी, 1978 से 11 जुलाई, 1985 तक इस पद पर रहे।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के 10 नवंबर, 2024 से 13 मई, 2025 तक भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य करने की उम्मीद है। सीजेआई के बाद सुप्रीम कोर्ट में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश के रूप में, न्यायमूर्ति खन्ना का जनवरी 2019 में शीर्ष अदालत में पदोन्नत होने के बाद से एक उल्लेखनीय न्यायिक करियर रहा है। सुप्रीम कोर्ट में उनकी नियुक्ति ने विवाद खड़ा कर दिया, क्योंकि उन्होंने उम्र और उम्र दोनों में 33 वरिष्ठ न्यायाधीशों को नजरअंदाज कर दिया था।

### शराबबंदी केवल सरकारी फाइलों में लागू – प्रशांत किशोर

बिहार, एजेसी। बिहार में शराबबंदी गहन जांच के दायरे में है। जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर इसे महज औपचारिकता बताते हुए कहा कि यह केवल सरकारी दस्तावेजों और राजनीतिक बयानबाजी में मौजूद है। किशोर की टिप्पणी हाल ही में हुई जहरीली शराब त्रासदी के बाद आई है, जिसमें सिवान और सारण में 25 लोगों की जान चली गई है। किशोर ने प्रभावित परिवारों तक पहुंचने में मुख्यमंत्री की निष्क्रियता की ओर इशारा करते हुए उन्होंने टिप्पणी की और कहा, भ्रष्ट नेता और माफिया पनपते हैं ध्यान नहीं दिया जाता है। प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं पहला व्यक्ति हूं जो पिछले 3 वर्षों से हर मंच से सार्वजनिक रूप से यह कह रहा हूं कि बिहार में कहीं भी शराबबंदी लागू नहीं है। शराबबंदी सिर्फ सरकारी फाइलों और नेताओं के भाषणों में ही लागू होती है। उन्होंने कहा कि कल की घटना बहुत दुखद है। डेढ़ साल पहले छपरा में 70 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। जहां जहरीली शराब से लोगों की मौत नहीं हुई हो।

## दिवाली से पहले होगी बढ़े डीए की घोषणा

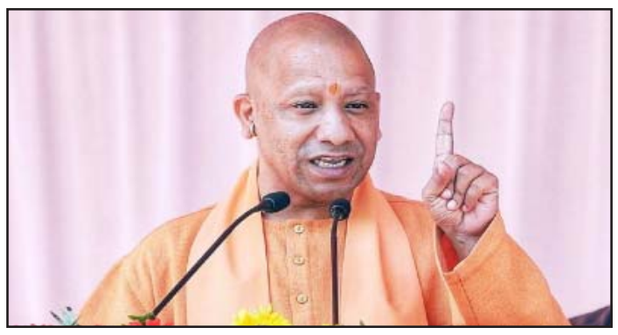

लखनऊ, संवाददाता। दिवाली से पहले यूपी के कर्मचारियों को भी महंगाई भत्ते (डीए) में वृद्धि का तोहफा मिल जाएगा। इसका लाभ 17 लाख से ज्यादा राज्य कर्मियों और शिक्षकों को मिलेगा। वर्तमान में यहां के कर्मचारियों, अधिकारियों और शिक्षकों को मूल वेतन पर 50 प्रतिशत डीए मिल रहा है। केंद्र के समान ही तीन प्रतिशत वृद्धि होगी, जो जुलाई से लागू होगी। केंद्र सरकार में लगभग एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते डीए एवं महंगाई राहत डीआर में तीन फीसदी वृद्धि की सौगात मिली है। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने डीए की दरों में बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर मुहर लगाई है। पहली जुलाई से देय महंगाई भत्ते की दर अब 50 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत हो गई है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद हुई प्रेस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी है। इससे पहले कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स के महासचिव एसबी यादव ने 30 सितंबर को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर डीए की दरों में बिना कोई देरी किए वृद्धि करने की मांग की थी। पत्र में कहा गया कि सामान्य तौर पर महंगाई भत्ते एवं महंगाई राहत में बढ़ोतरी का भुगतान, अक्तूबर के पहले सप्ताह में हो जाता था। इस बार केंद्र सरकार ने दशहरे पर भी ऐसी कोई घोषणा नहीं की। मार्च में सरकार ने महंगाई भत्ते में 4: की बढ़ोतरी की थी, जो जनवरी 2024 से प्रभावी होगा, जिससे कुल महंगाई भत्ता मूल वेतन के 46: से बढ़कर 50: हो गई थी। इस भत्ते की गणना पिछले 12 महीनों के अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के औसत पर आधारित है, यह सरकारी वेतन और पेंशन के निर्धारण में एक महत्वपूर्ण घटक माना जाता है। सातवें वेतन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, जब महंगाई भत्ता मूल वेतन का 50% हो जाता है, तो मकान किराया भत्ता समेत कई भत्ते स्वतः संशोधन के दायरे में आ जाते हैं।

## एनडीए चीफ मिनिस्ट्रर काउंसिल की बैठक सम्पन्न

चंडीगढ़, एजेंसी। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों से पहले और हरियाणा और जम्मू –कश्मीर चुनावों के ठीक बाद, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के मुख्यमंत्रियों की परिषद की बैठक चंडीगढ़ में संपन्न हुई। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों ने विकास के मुद्दों, संविधान के अमृत महोत्सव और लोकतंत्र की हत्या के प्रयास की 50वीं वर्षगांठ वर्ष, जो 1975 में लगाए गए आपातकाल का संदर्भ है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा, जो भाजपा अध्यक्ष भी हैं, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, दो उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और अजीत बैठक में पवार, गुजरात के सीएम भूपेन्द्र पटेल, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और गोवा के सीएम प्रमोद सावंत शामिल हुए। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के शपथ ग्रहण समारोह के बाद यह सम्मेलन शुरू हुआ। सैनी ने दूसरी बार हरियाणा की कमान संभाली है। 13 मुख्यमंत्री और 16 उप मुख्यमंत्री उसके हैं और महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, सिक्किम, नगालैंड तथा मेघालय के मुख्यमंत्री उसके सहयोगी दलों के हैं।

## भारत की लाजिस्टिक लागत दो साल में घटकर एकल अंक में आ जाएगी – गडकरी

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत की 'लॉजिस्टिक' लागत अगले दो साल में घटकर एकल अंक में आ जाएगी। नीति आयोग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि मंत्रालय कई राजमार्गों तथा एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रहा है, जिससे भारत की लॉजिस्टिक लागत को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, '' दो वर्षों के भीतर हम अपनी लॉजिस्टिक लागत को नौ प्रतिशत तक कम करने जा रहे हैं।'' आर्थिक शोध संस्थान 'नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च' (एनसी एईआर) के अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021–22 के लिए भारत में लॉजिस्टिक लागत सकल घरेलू उत्पाद के 7.8 प्रतिशत से 8.9 प्रतिशत के बीच थी। गडकरी ने कहा कि भारत के लिए वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन के निर्यात की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने निम्न गुणवत्ता वाले कोयला के मेथनॉल बनाने के लिए उपयोगी होने की बात को भी रेखांकित किया। मंत्री ने साथ ही कहा कि उनका लक्ष्य भारतीय मोटर वाहन उद्योग को विश्व में पहले स्थान पर लाना है। उन्होंने कहा कि भारत पिछले वर्ष जापान को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मोटर वाहन बाजार बन गया था और केवल अमेरिका तथा चीन से पीछे था। गडकरी ने कहा कि भारत के मोटर वाहन उद्योग का आकार 2014 में 7. 5 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 18 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। यह उद्योग अधिकतम संख्या में रोजगार सृजन कर रहा है।

## नायब सिंह सैनी ने दूसरी बार हरियाणा की कमान संभाली

हरियाणा, एजेसी। नायब सिंह सैनी ने दूसरी बार हरियाणा की कमान संभाल ली। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने पंचकूला में आयोजित भव्य समारोह में नायब सिंह सैनी और उनके मंत्रिमंडल को शपथ दिलाई। सैनी मंत्रिमंडल में शामिल किये गये लोगों की बात करें तो आपको बता दें कि इनमें सबसे पहला नाम अनिल विज का है। इसके अलावा गौरव गौतम, अरविंद शर्मा, श्याम सिंह, राणा कृष्ण बेदी, श्रुति चौधरी, कृष्ण लाल पवार, राव नरवीर सिंह, महिपाल ढांडा, विपुल गोयल और आरती राव का नाम शामिल है। हम आपको यह भी बता दें कि शपथ समारोह से कुछ घंटे पहले सैनी वाल्मीकि भवन गए और उन्होंने पंचकूला स्थित गुरुद्वारे एवं मनसा देवी मंदिर में पूजा–अर्चना की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा की नयी सरकार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हरियाणा को तीव्र गति से आगे ले जाने की दिशा में काम करेगी। सैनी ने विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर कहा कि हरियाणा की जनता ने मोदी सरकार की नीतियों में विश्वास दिखाया है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र को पूरी तरह लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''हमारे 2014 के संकल्प पत्र और 2019 के संकल्प पत्र को देखें, हमने उन्हें पूरी तरह से लागू किया और अब हमारी सरकार इस संकल्प पत्र को भी लागू करेगी।'' हम आपको यह भी बता दें कि शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तथा एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी शामिल हुए। यह एक तरह से एनडीए का शक्ति प्रदर्शन भी था। हरियाणा में लगातार तीसरी जीत हासिल कर भाजपा ने इतिहास रचा है इसीलिए एनडीए नेताओं का भी जोश देखते ही बन रहा है। सुबह चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर भाजपा और एनडीए नेताओं ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का डंका पूरे विश्व में बज रहा है और विपक्षी गठबंधन खासकर कांग्रेस का सारा जोश अब उतर चुका है। हम आपको यह भी बता दें कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आज चंडीगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से आयोजित एक सम्मेलन में भाग लेंगे। इस सम्मेलन में विकास के मुद्दों, संविधान के श्अमृत महोत्सवश और आपातकाल के संदर्भ में लोकतंत्र की श्हत्या की कोशिशश के 50 साल पूरे होने पर चर्चा की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसे हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा की उल्लेखनीय जीत के बाद विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस पर सत्तारुढ़ गठबंधन के नए हमले के रूप में देखा जा रहा है। इस कार्यक्रम का एक व्यवस्थित एजेंडा होगा जिसमें राष्ट्रीय विकास के मुद्दे शामिल होंगे। इसमें संविधान का अमृत महोत्सव मनाने और लोकतंत्र की हत्या के प्रयास की 50वीं वर्षगांठ जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी।

## उमर अब्दुल्ला ने एलजी सिन्हा की प्रशासनिक परिषद को सौंपे गये अधिकार वापस लिये

जम्मू–कश्मीर, एजेसी। जम्मू–कश्मीर में बुधवार को नव निर्वाचित सरकार के कार्यभार संभालने के कुछ ही घंटों बाद प्रशासन ने कई ऐसे आदेशों को रद्द कर दिया जिनके तहत केंद्र शासित प्रदेश के शासन के लिए उपराज्यपाल की अध्यक्षता वाली प्रशासनिक परिषद को अधिकार सौंपे गए थे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 2020 में शुरू किए गए कुछ सरकारी आदेश वापस ले लिए गए हैं। इन्हें रद्द करने का आदेश सामान्य प्रशासन विभाग के आयुक्त/सचिव संजीव वर्मा ने जारी किया। हम आपको बता दें कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी पांच सदस्यीय मंत्रिपरिषद ने बुधवार दिन में शपथ लेने के बाद सरकार का कार्यभार संभाल लिया। उमर अब्दुल्ला जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के लिए सिविल

सचिवालय पहुंचे तो यह केंद्र शासित प्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षण था। अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया गया तथा उन्होंने (मुख्यमंत्री ने) सलामी गारद का निरीक्षण किया। जम्मू–कश्मीर का दर्जा राज्य से घटाकर केंद्र शासित प्रदेश किये जाने के बाद यहां के पहले मुख्यमंत्री बने अब्दुल्ला अपने कार्यालय कक्ष में पहुंचे जहां औपचारिक रूप से कार्यभार संभालने से पहले कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अब्दुल्ला ने अपने कार्यालय की कुर्सी पर बैठे हुए फोटो के साथ 'एक्स' पर लिखा, "मैं वापस आ गया हूं। हम आपको बता दें कि जम्मू–कश्मीर जब एक पूर्ण राज्य था तब 2009 से 2014 के बीच भी अब्दुल्ला मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उन्होंने अपने नए प्रशासन की रूपरेखा तय करने के लिए प्रशासनिक सचिवों के साथ एक परिचयात्मक बैठक की। बैठक में उपमुख्यमंत्री सुरेन्द्र कुमार चौधरी के साथ–साथ मंत्री सकीना मसूद इटू, जावेद अहमद राणा, जावेद अहमद डार और सतीश शर्मा भी उपस्थित थे। बैठक में मुख्य सचिव अटल डुल्लू, पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और सभी विभागों के प्रशासनिक सचिव मौजूद थे।

## किसान संघों के साथ कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की बड़ी बैठक

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को किसानों और किसान संघ के साथ बैठक की। इस मुलाकात के बाद शिवराज ने कहा कि हमने सभी आमंत्रितों से किसानों और खेती से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा की। हमने उन्हें सरकार द्वारा उठाए गए नए कदमों और हुई प्रगति के बारे में बताया और बदले में, उन्होंने हमें महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया दी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकारों से संबंधित कुछ मुद्दे उनके साथ साझा किए जाएंगे और केंद्र सरकार से संबंधित कुछ मुद्दों को हम हल करेंगे। यह बातचीत बहुत मददगार साबित हुई क्योंकि हमें किसानों से ही जमीनी हकीकत पता चल रही है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार महाराष्ट्र, कर्नाटक और मध्य प्रदेश से सोयाबीन की फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने दूसरे देशों से तेल पर आयात शुल्क बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि यदि किसी राज्य ने हमसे कहा, तो हमने उनकी सोयाबीन की फसल खरीदी। हमने महाराष्ट्र, कर्नाटक और मध्य प्रदेश को एमएसपी पर सोयाबीन खरीदने का आश्वासन दिया है... जब हमारे तिलहन की कीमतें गिर गईं, तो हमने अन्य देशों से प्राप्त तेल पर आयात शुल्क बढ़ाने का फैसला किया। 27.5 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया गया। सोयाबीन सहित तिलहन की कीमतें बढ़ने लगीं और मुझे उम्मीद है कि जल्द ही ये एमएसपी तक पहुंच जाएंगी। चर्चा का उद्देश्य किसान समुदायों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करना और कृषि क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण करना था। इससे पहले बुधवार को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है।

## भाजपा ने 20 वर्षों से झारखंड को लूटा – हेमंत सोरेन

रांची, एजेसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि पार्टी ने 20 वर्षों से अधिक समय तक राज्य को लूटा है। सोरेन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दिसंबर 2019 में झारखंड की महान जनता के आशीर्वाद से मैंने राज्य की बागडोर संभाली। मेरा एकमात्र उद्देश्य झारखंड के पेड़ को सींचना और उसकी जड़ों को मजबूत करना था। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस पेड़ को 20 साल तक दोनों हाथों से लूटा। इसने उसे सुखा दिया था। हेमंत सोरेन ने जेल से बाहर रहने और फिर से सीएम के रूप में कार्यभार संभालने के 100 दिन पूरे होने पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज उन्हें जेल से वापस आकर राज्य की कमान संभाले 100 दिन हो गए हैं।

साथ ही कल चुनाव आयोग ने झारखंड में विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने आगे बीजेपी की आलोचना की और दावा किया कि 20 साल तक पार्टी ने लोगों को शिक्षा और रोजगार जैसी बुनियादी चीजों से वंचित रखने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि हमारे गरीब, वंचित और शोषित लोग सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए तरस रहे थे, हमारे आदिवासी, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक अपनी खोई हुई पहचान के लिए तरस रहे थे।

## नीतीश बिहार चलाने लायक नहीं - तेजस्वी यादव

बिहार, एजेसी। जहरीली शराब के सेवन से सीवान में 20 और छपरा में 4 लोगों की दुखद मौत के बाद बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने गुरुवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोला और कहा कि मुख्यमंत्री और उनका किचन कैबिनेट अनैतिक और सिद्धांतहीन राजनीति के प्रणेता बन गए हैं। तेजस्वी ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि सत्ता संरक्षण में जहरीली शराब के कारण 27 लोगों की हत्या कर दी गयी है। दर्जनों की आँखों की रोशनी चली गयी। बिहार में कथित शराबबंदी है लेकिन सत्ताधारी नेताओं–पुलिस और माफिया के गठजोड़ के कारण हर चौक–चौराहों पर शराब उपलब्ध है। राजद नेता ने आगे कहा कि इतने लोग मारे गए लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शोक–संवेदना तक व्यक्त नहीं की। जहरीली शराब से, अपराध से प्रतिदिन सैकड़ों बिहारवासी मारे जाते है लेकिन अनैतिक और सिद्धांतहीन राजनीति के पुरोधा मुख्यमंत्री और उनकी किचन कैबिनेट

के लिए यह सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि कितने भी लोग मारे जाए लेकिन मजाल है किसी वरीय अधिकारी पर कोई कारवाई हो? इसके विपरीत उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा? तेजस्वी ने साफ तौर पर कहा कि अगर शराबबंदी के बावजूद हर चौक–चौराहे व नुक्कड़ पर शराब उपलब्ध है तो क्या यह गृह विभाग और मुख्यमंत्री की विफलता नहीं है? क्या मुख्यमंत्री जी होशमंद है? क्या सीएम ऐसी घटनाओं पर एक्शन लेने व सोचने में सक्षम और समर्थ है? इन हत्याओं का दोषी कौन? अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठक के नाम पर ढोंग होता है। नीतीश की चिंता भी मुझे है। हम सम्मान उनका करते हैं। नीतीश को लेकर उन्होंने दावा किया कि उनको कुछ खिलाया–पिलाया जा रहा है। अब वह बिहार चलाने लायक नहीं रह गए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सीवान और सारण जिले में हुए जहरीली शराब कांड की उच्चस्तरीय समीक्षा की। समीक्षा के बाद सीएम ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के सचिव को मौके पर जाकर पूरी स्थिति की जानकारी लेने और सभी बिंदुओं पर गहन जांच करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

# संपादकीय

## राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

डा. हेडगेवार ने संगठन को देश की राष्ट्रीय आवश्यकता कहा था। उन्होंने कोलकाता में क्रांतिकारियों और नागपुर में कांग्रेस के साथ काम कियाय पर संघ स्थापना के बाद पूरी शक्ति यहीं लगा दी। इसलिए पहले 50 साल संघ ने केवल संगठन किया। 2025 की विजयादशमी पर संघ सौवें वर्ष में पहुंच रहा है। ऐसे में इस यात्रा के कुछ पड़ावों पर नजर डालना उचित होगा। डा. हेडगेवार ने संगठन को देश की राष्ट्रीय आवश्यकता कहा था। उन्होंने कोलकाता में क्रांतिकारियों और नागपुर में कांग्रेस के साथ काम कियाय पर संघ स्थापना के बाद पूरी शक्ति यहीं लगा दी। इसलिए पहले 50 साल संघ ने केवल संगठन किया। यद्यपि अन्य बहुत कुछ भी शीर्ष नेतृत्व के मन में था। दत्तोपंत ठेंगड़ी इसे श्प्रोगेसिव अनफोल्डमेंटश कहते थे। इसके बल पर ही संघ ने हर संकट को झेला। इस पहले दौर में स्वयंसेवकों ने कई संस्थाएं बनायीं। इनमें राष्ट्र सेविका समिति (1936), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (1949), वनवासी कल्याण आश्रम (1952), भारतीय मजदूर संघ (1955), विश्व हिन्दू परिषद (1964), भारतीय जनसंघध्भारतीय जनता पार्टी (1951), सरस्वती शिशु मंदिरध्विद्या भारती (1952) आदि प्रमुख हैं। यद्यपि इनके संविध ान, कोष, पदाधिकारी, कार्यक्रम आदि अलग हैंय पर प्रेरणा संघ की ही है। संघ पर प्रतिबंधः संघ पर 1932 और 1940 में शासन ने आंशिक प्रतिबंध लगायेय पर वे ज्यादा नहीं चले। 1948 में गांधी जी की हत्या के बाद फिर प्रतिबंध लगा। तब शासन, प्रशासन और जनता संघ के विरोध में थी। प्रचार माध्यम सरकार के पास थे। संघ के पास अपनी बात कहने का कोई साधन नहीं था। फिर भी संघ ने सत्याग्रह से सरकार को झुका दिया। पर फिर शाखा के साथ ही समविचारी संगठनों का विस्तार और प्रभाव बढ़ने लगा। इसीलिए जब 1975 में इंदिरा गांधी ने संघ पर प्रतिबंध लगाया, तो जनता संघ के साथ रही। संघ ने फिर सत्याग्रह किया। जनता डर से चुप थी, पर चुनाव में उसका आक्रोश फूट पड़ा और इंदिरा गांधी हार गयी। यह संगठन के बल पर ही हुआ। समाज में बढ़ती स्वीकार्यता का लाभ उठाकर संघ ने संगठन को फैलाया तथा स्वयंसेवकों ने अनेक नयी संस्थाएं बनायीं। 1992 में बाबरी विध्वंस के बाद सरकार ने फिर प्रतिबंध लगाया, जिसे न्यायालय ने ही खारिज कर दिया। 1975 और 1992 के प्रतिबंध से संघ के संगठन और प्रभाव में वृद्धि हुई। उसका नाम दुनिया भर में फैल गया। 1977 के बादः इसे हम दूसरा 50 वर्षीय कालखंड कह सकते हैं। संघ ने अनुभव किया कि हमारा काम समाज के निर्धन वर्ग में नहीं है। इनकी पहली जरूरत रोटी, कपड़ा और मकान है। इस कारण लोग धर्मांतरण भी कर लेते हैं। मीनाक्षीपुरम् कांड इसका उदाहरण था। अतः सेवा के क्षेत्र में प्रवेश किया गया। 1989 में डा. हेडगेवार की जन्मशती पर श्सेवा निधिश एकत्र कर हजारों पूर्णकालिक कार्यकर्ता बनाये गये। निर्धन बस्तियों को श्सेवा बस्तीश कहकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के हजारों छोटे प्रकल्प शुरू किये। अब इनकी संख्या डेढ़ लाख से भी अधिक है। अब सैकड़ों बड़े प्रकल्प भी हैं, पर मुख्य ध्यान छोटी इकाइयों पर ही है। केवल संघ ही नहीं, तो सभी समविचारी संस्थाएं सेवा कार्य कर रही हैं। यहां से पुरुष और महिला कार्यकर्ता भी आगे आ रहे हैं। कुछ चुनौतियांः 1947 में देश विभाजन एक बड़ी चुनौती थी। इस दौरान पंजाब और सिंध में संघ ने सीमित शक्ति के बावजूद लाखों हिन्दुओं की रक्षा की, महिलाओं की लाज बचाई और उनका पुनर्स्थापन किया। बंगाल में शक्ति कम होने से यह प्रभावी ढंग से नहीं हो सका। 1950 में प्रतिबंध ा हटने पर कुछ लोगों का विचार था कि निर्दोष होते हुए भी संसद या किसी विधानसभा में कोई हमारे पक्ष में नहीं बोला। अतः हमें शाखा छोड़कर केवल राजनीति करनी चाहिएय पर सरसंघचालक श्री गुरुजी नहीं माने। उन्होंने कहा कि राजनीति जरूरी होते हुए भी सब कुछ नहीं है। इससे कई बड़े लोग नाराज हो गये। यद्यपि संघ ने फिर राजनीति में भी कई लोगों को भेजा, पार्टी भी बनायी, पर राजनेताओं और दलों का जो हाल है, उससे श्री गुरुजी की बात प्रमाणित हो रही है। संगठन होने के कारण संघ तथा संघ प्रेरित संस्थाएं लगातार नयी टीम बनाकर पुरानों के संरक्षण में उन्हें पदस्थापित करते रहते हैं, पर 1968 में भारतीय जनसंघ को एक झटका लगा। दीनदयाल जी का निधन हो चुका था। जनसंघ वाले अटल बिहारी वाजपेयी को आगे लाना चाहते थे। इससे रुष्ट होकर बलराज मधोक ने पार्टी छोड़ दी, पर जल्दी ही वे समझ गये कि कुछ लोग कुछ समय के लिए कोई संस्था तो चला सकते हैं, पर संगठन नहीं। अतः वे शांत होकर फिर संघ के कार्यक्रमों में आने लगे। यद्यपि उनके अलगाव से श्री गुरुजी सहित सब स्वयंसेवकों को दुख हुआ, पर संघ में व्यक्ति नहीं, संगठन महत्वपूर्ण है। ऐसी ही एक चुनौती 2018 में विश्व हिन्दू परिषद में आयी। एक प्रभावी नेता ने अपनी नयी संस्था बना ली। यहां भी टकराव व्यक्ति और संगठन में ही था। आशा है वे भी शीघ्र ही मुख्य धारा में लौट आएंगे। अब आगे की ओरः कभी संगठन के लिए संगठन की बात कही जाती थी, पर 50 साल संगठन और 50 साल विस्तार के बाद अब संघ समाज परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। जहां संघ का काम पुराना है, वहां परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी और स्थानीय वस्तुओं का प्रयोग, सामाजिक समरसता, एक मंदिर, एक शमशान, एक जलस्रोत, नागरिक कानूनों के पालन आदि का आग्रह किया जा रहा है। संघ के प्रयास से इस दिशा में भी निःसंदेह सुधार होगा।

# उप–चुनाव में भी भाजपा हिंदुत्व एवं राष्ट्रवाद के सहारे

अजय

लोकसभा चुनाव में यूपी में मनमाफिक नतीजे नहीं आने से दुखी बीजेपी को अगर हिंदुत्व के सहारे उप चुनाव में सफलता मिलती है तो 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए इसी आधार पर पार्टी का आलाकमान रणनीति बनाई जायेगा। इंडिया गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में भले ही संविध ान,आरक्षण और जातीय समीकरण साध कर बीजेपी की हिन्दुत्व की राह में रोड़े बिछा दिये थे, लेकिन कहते हैं कि काठ की हांडी बार–बार नहीं चढ़ती है और हाल ही में सम्पन्न हरियाणा और जम्मू कश्मीर के विधान सभा चुनाव में बीजेपी के हिन्दुत्व ने एक बार फिर हुंकार भरी और कांग्रेस के हरियाणा में सरकार बनाने के सपने चूर–चूर हो गये। इसी से उत्साहित बीजेपी अब यूपी के उप चुनाव में भी हिन्दुत्व की पिच पर बैटिंग करने का मन बना चुकी है। जातीय समीकरण को साधने के लिए भाजपा फिर हिंदुत्व के एजेंडे का इस्तेमाल करेगी। कहा जा रहा है कि हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के विधानसभा चुनाव का फायदा भाजपा यूपी के उपचुनाव में भी उठाना चाहती है। पार्टी का भी मानना है कि हिंदुत्व के फार्मूले से जातीय समीकरण साधने में उसे मदद मिलेगी। भाजपा का केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व यूपी की नौ विध ानसभा सीटों के लिए नवंबर में होने वाले उपचुनाव में हिंदुत्व के साथ राष्ट्रवाद के फार्मूले का परीक्षण करेगी। लोकसभा चुनाव में यूपी में मनमाफिक नतीजे नहीं आने से दुखी बीजेपी को अगर हिंदुत्व के सहारे उप चुनाव में सफलता मिलती है तो 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए इसी आधार पर पार्टी का आलाकमान रणनीति बनाई जायेगा।

दरअसल, हरियाणा में लगातार तीसरी बार और 2014 व 2019 के मुकाबले ज्यादा सीटों के साथ सरकार बनाकर भाजपा ने सारे कयासों को झुठला दिया है। वहीं, जम्मू–कश्मीर में सरकार बनाने का करिश्मा भाजपा भले ही नहीं कर पाई हो, लेकिन वहां मिले सबसे

ज्यादा वोटों ने पार्टी में नई उम्मीद जगाई है। लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी में आए नतीजों को कांग्रेस ने भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति से विदाई के तौर पर प्रचारित किया। अब हरियाणा और जम्मू–कश्मीर ने इसे एक तरह से खारिज कर दिया है। साफ है कि अब भाजपा यूपी के उपचुनाव में हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के एजेंडे को धार देगी। इसका असर प्रदेश में दिखने भी लगा है। हालांकि, भाजपा के एजेंडे की काट को लेकर कांग्रेस और सपा ने भी तैयारी शुरू कर दी है।

बता दें हरियाण की तरह जम्मू–कश्मीर में भी ज्यादातर हिंदू भाजपा के पक्ष में गोलबंद दिखे। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, हिंदू लामबंदी जिस तरह जातीय गोलबंदी पर भारी पड़ती दिखी है, वह यह बताने को पर्याप्त है कि बंटोगे तो कटोगे के नारे ने नतीजों पर असर डाला है। जाहिर है कि भाजपा इसे और धार देगी ताकि यूपी में 2014 से लेकर 2022 जैसे समीकरणों को फिर मजबूत किया जा सके।

# एंथ्रोपोसीन के पारिस्थितिकी संहार को उलटना जरूरी

आदित्य

दुनिया के इतिहास को एक विभाजित नागरिक वास्तविकता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। एक स्तर पर, धरती माता के एंथ्रोपोसीन, गैया के उदय जैसे सृजन मिथकों से बचने का प्रयास किया जाता है। विज्ञान पवित्रता के अपने स्रोत को पुनः प्राप्त करता है और पुनः प्राप्त करता है। एंथ्रोपोसीन सबसे अधिक जीवन देने वाले मिथकों में से एक है जिसका हम सपना देख सकते हैं। दूसरे स्तर पर, हम जलवायु परिवर्तन, विशाल विनाश की तात्कालिकता का सामना करते हैं। प्रकृति के प्रति मनुष्य के रवैये, प्रकृति पर नियंत्रण के परिणामस्वरूप, पृथ्वी पर मनुष्यों का रहना असंभव हो गया है। जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ता इसका कारण यह बताते हैं कि उद्योगवाद पश्चिम का एक सीमांत कार्य था। दूसरा, प्रकृति के प्रति पूंजीवादी विशेषता यह थी कि इसे एक संसाधन, एक वस्तु के रूप में माना जाता था। परिणामस्वरूप, मनुष्य प्रकृति के प्रति पारिस्थितिकी–विनाशकारी हो गया है। कार्यकर्ता जो कहते हैं वह सच है। जलवायु परिवर्तन न केवल विषम हिंसा का कार्य है, बल्कि यह एक अन्याय है। पश्चिम पृथ्वी और वैश्विक दक्षिण को मुक्ति का वचन देता है। दुर्भाग्य से, पश्चिम पृथ्वी को बनाए रखने के मूड में नहीं है। यह ऐसे व्यावहारिक समाधानों की तलाश कर रहा है जो तीसरी दुनिया से ज्यादा इसके लिए फायदेमंद हो सकते हैं। हमें शासन के एक विस्तारित रूप की जरूरत है जिसके लिए राष्ट्र राज्य एक संकीर्ण विचार नहीं है। राष्ट्र राज्य 19वीं सदी की अवधारणा है जो 21वीं सदी के शासन के लिए उपयुक्त नहीं है। श्एंथ्रोपोसीनश शब्द डच वैज्ञानिक पॉल क्रुटजेन द्वारा गढ़ा गया था, जो नोबेल पुरस्कार विजेता हैं, जो भूवैज्ञानिक स्तर पर मनुष्य द्वारा किए गए नुकसान के बारे में बात करते हैं। यहाँ थोड़ी विडंबना है क्योंकि मनुष्य की विनाशकारी भूमिका की आलोचनात्मक जाँच करने की तुलना में एंथ्रोपोसीन को पूरा करने में ज्यादा समय बँटा हुआ है। इतिहासकारों और पारिस्थितिकी विदों ने इतिहास में नरसंहार के संभावित क्षण का एक दृश्य पेश किया है। सुझाई गई पहली तिथि अमेरिका पर स्पेनिश विजय के बाद 16वीं शताब्दी है। दूसरी औद्योगिक क्रांति की शुरुआत है। तीसरी तिथि, जो ज्यादा समकालीन है, हिरोशिमा और नागासाकी पर बमबारी है। ये तीनों क्षण इतिहास में महत्वपूर्ण अपरिवर्तनीय नरसंहार परिवर्तन हैं, जिसके लिए मनुष्य ही ट्रिगर था। एंथ्रोपोसीन बहस लंबी और गहन होनी चाहिए, सत्य आयोग की तर्ज पर, जहां नैतिक सुधार न्याय से परे ढांचे की तलाश करता है। हमें नूर्नबर्ग परीक्षणों के नाटक से अधिक डेसमंड टूटू की पुष्टि की आवश्यकता है। तीसरी दुनिया को पहले को बचाना होगा, और ऐसा करने के लिए, हमें केवल राजनीतिक अर्थव्यवस्था से परे जाना होगा। हमें पूर्व और पश्चिम के बीच एक नए सामंजस्य की आवश्यकता है, मोचन का एक तरीका, संज्ञानात्मक न्याय की खोज। औद्योगिक– वैज्ञानिक पश्चिम को सैद्धांतिक रूप से फिर से पढ़ा जाना चाहिए और विविधता और न्याय की एक नई भावना पैदा करनी चाहिए ताकि वस्तुओं की ट्रस्टीशिप की भावना केवल प्रबंधन की न रह जाए। औद्योगिकवाद के परिवर्तन के साथ एक संज्ञानात्मक और नैतिक क्रांति की आवश्यकता है। इसके लिए समय की एक अलग धारणा की आवश्यकता है जो यह प्रदर्शित करती है कि प्रगति के विचार दरिद्र हैं। हमें चक्रीय, ब्रह्मांडीय समय की भावना, स्मृति की एक अलग भावना, एक ऐसे विज्ञान की आवश्यकता है जहां हमें एहसास हो कि आधिपत्य सत्य नहीं है। हमें ब्रह्मांड की अधिक बहुलवादी और संवादात्मक भावना की आवश्यकता है। हमें इस बात पर जोर देना चाहिए कि राष्ट्र–राज्य मानव युग को एक अर्थ प्रदान करें। राज्य बहुत संकीर्ण है। हमें मूल्यों के ढांचे के रूप में सभ्यताओं की आवश्यकता है। हमें मानव युग के प्रति एक नई प्रतिक्रिया बुनने के लिए सभ्यताओं, संविधान, नागरिक शास्त्र, पाठ्यक्रम, नागरिकता और आम लोगों से संस्थाओं के घने नेटवर्क की आवश्यकता है। शायद हम प्रकृति और संस्कृति के संबंध में नए अनुष्ठानों की कल्पना करने के लिए एक नए प्रकार का यूनेस्को बना सकते हैं। हमें ज्ञान–मीमांसा के रूप में मिट्टी के बारे में आदिवासी स्मृति की आवश्यकता है। राष्ट्रों और संस्कृतियों को कोरियोग्राफियों के एक नए सेट की आवश्यकता है। हमें आदिवासी ज्ञान–मीमांसा को सुनना चाहिए। अमेरिकी जनजातियों के पास पेड़ों, संपर्क और एकजुटता के अनुष्ठानों की विस्तृत धारणाएँ हैं। हमें लोककथाओं के जीवनदायी पहलुओं की आवश्यकता है, जहाँ स्थानीय शब्द और अवधारणाएँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। महात्मा गांधी की स्वदेशी की प्रतिध्वनियाँ केवल स्थानीय नहीं हैं। यह स्थानीय भाषा को भी शामिल करती है। स्वराज पृथ्वी की गहरी समझ पाने के लिए अन्य दुनियाओं में जाता है। उदाहरण के लिए, गैया परिकल्पना ने न केवल विकासवादी समय लिया, बल्कि दस लाख वर्षों तक पृथ्वी के बंध्यीकरण में बैक्टीरिया की भूमिका को भी सामने लाया। पृथ्वी के वायुमंडल को ब्रह्मांड विज्ञान और ज्ञानमीमांसा की एक अलग समझ की आवश्यकता है। कोई भी पाठ्यपुस्तक विज्ञान से संतुष्ट नहीं हो सकता। एंथ्रोपोसीन एक आभासी स्वीकारोक्ति है, जहाँ मनुष्य पृथ्वी पर की गई हिंसा को स्वीकार करता है। अब उसे नैतिक और पारिस्थितिक मरम्मत की स्थिति को देखना होगा। नैतिक मरम्मत का विचार टूटू आयोग के दौरान उठाया गया था। यह हिंसा की अधिक समग्रता और गहरी समझ की तलाश करता है। मनुष्य को प्रकृति के साथ बातचीत करने का एक अलग तरीका और समय की एक अलग समझ सीखनी होगी। तीसरी दुनिया की प्रकृति को समझने में बहुत सहायता करनी होगी। एक अनुष्ठान प्रक्रिया की आवश्यकता है जिसके द्वारा मनुष्य उस जीवन का शोक मनाता है जिसे उसने नष्ट कर दिया है। एक ब्रह्मांड विज्ञान को पवित्रता की भावना, उपहार की बारीकियों और दृष्टिकोणों को बनाए रखने की आवश्यकता है जो इसे किसी भी भौतिक निरंतरता से परे ले जाते हैं। दुर्भाग्य से, अधिकांश समूह वैधता देने के लिए अनिच्छुक हैं।

# विस्तारवादी नीति अपनाने के लिए चीन कठघरे में

विनोद

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन लाओस द्वारा 11 अक्टूबर को वियनतियाने में आयोजित किया गया था, जिसमें 10 आसियान सदस्यों और आठ प्रमुख शक्तियों संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, रूस, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने भाग लिया था। शिखर सम्मेलन में अन्य लोगों के अलावा, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, चीनी पीएम ली कियांग, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सूक येओल और जापान के नए पीएम शिगेरू इशिबा ने भाग लिया। ईएएस से पहले 10 अक्टूबर को आठ गैर–सदस्यों के नेताओं के साथ अलग–अलग आसियान शिखर सम्मेलन हुए, जिनमें श्री मोदी भी शामिल थे। 9–11 अक्टूबर को लाओस में आसियान के आंतरिक और संयुक्त शिखर सम्मेलनों की श्रृंखला दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक कार्रवाइयों की मुखर आलोचना के लिए महत्वपूर्ण है। कई लोगों ने चीन का नाम नहीं लिया, लेकिन कई बयानों में आरोप लगाने वाली उंगलियाँ स्पष्ट रूप से उसकी ओर इशारा करती थीं। हाल ही में, चीन ने फिलीपींस के तट रक्षक और फिलीपींस के विशेष आर्थिक क्षेत्र में एक परित्यक्त जहाज पर तैनात अपने नाविकों को आपूर्ति मिशन पर जाने वाली नौकाओं के

खिलाफ पानी की तोपों और लेजर का उपयोग करके अपने तट रक्षक जहाजों द्वारा धमकाने की एक श्रृंखला शुरू की है। आसियान के आंतरिक शिखर सम्मेलन में, फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने आसियान से आग्रह किया कि "आसियान के सदस्य देश के खिलाफ बाहरी शक्ति की आक्रामक, बलपूर्वक और अवैध कार्रवाइयों पर आंखें न मूंदें"। और कहा कि "इसकी चुप्पी संगठन को कमजोर करती है"। 10 अक्टूबर को चीनी प्रधानमंत्री की उपस्थिति में आसियान–चीन शिखर सम्मेलन में, राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर ने कथित तौर पर शिकायत की कि उनके देश को चीन द्वारा "उत्पीड़न और धमकी" का सामना करना पड़ रहा है और उन्होंने दक्षिण चीन सागर में समुद्री प्रबंधन के लिए आसियान और चीन के बीच प्रस्तावित आचार संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए "बातचीत की गति में और अधिक तत्परता" का आह्वान किया। चीन और आसियान ने 2002 में ऐसी आचार संहिता बनाने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन औपचारिक मसौदा 2017 में ही तैयार हो सका। चीन ने जोर देकर कहा है कि यह संहिता कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होगी, और विदेशी नौसैनिक जहाजों की यात्राओं और खनिज संसाधनों की खोज और पारंपरिक मछली पकड़ने के अधिकारों के संबंध में आसियान सदस्यों की स्वायत्तता पर कई प्रतिबंध लगाने की मांग की। राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर ने कथित तौर पर अपनी निराशा व्यक्त की है कि पक्ष कई चीजों पर सहमत नहीं हो सके और श्आत्म–संयम जैसी बुनियादी अवधारणा की परिभाषा पर आम सहमति नहीं है। 10 अक्टूबर को आसियान–अमेरिका शिखर सम्मेलन में, राष्ट्रपति जो बिडेन का प्रतिनिधित्व करने वाले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने श्दक्षिण और ईज चाइना सीज में चीन की बढ़ती खतरनाक और गैरकानूनी कार्रवाइयों के बारे में अमेरिका की चिंता व्यक्त की, जिसने लोगों को घायल किया है और आसियान देशों के जहाजों को नुकसान पहुँचाया है और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रतिबद्धताओं का खंडन किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका इंडो–पैसिफिक में नेविगेशन की स्वतंत्रता और ओवरफ्लाइट्स की स्वतंत्रता का समर्थन करना जारी रखेगा। ईएएस में प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि दक्षिण चीन सागर में "एक मजबूत और प्रभावी आचार संहिता बनाई जानी चाहिए। और इससे क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर अंकुश नहीं लगना चाहिए"। चीन पर अप्रत्यक्ष टिप्पणी करते हुए श्री मोदी ने कहा कि "हमारा दृष्टिकोण विकास पर केंद्रित होना चाहिए न कि विस्तारवाद पर"। जापानी आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री इशिबा ने "पूर्वी चीन सागर में जापान की संप्रभुता का उल्लंघन करने वाली गतिविधियों और उत्तेजक सैन्य गतिविधियों को जारी रखने और बढ़ाने का कड़ा विरोध किया"। उन्होंने दक्षिण चीन सागर में जारी और बढ़ रही सैन्यीकरण और बलपूर्वक गतिविधियों के बारे में जापान की गंभीर चिंता भी व्यक्त की। प्रधानमंत्री इशिबा ने घोषणा की कि "समुद्री हितों के किसी भी अनुचित दावे जो समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के साथ संरेखित नहीं हैं, अस्वीकार्य हैं"। अपने बयानों में, चीन के प्रधानमंत्री ने इन उभरते समुद्री संघर्षों का कोई उल्लेख करने से परहेज किया और इसके बजाय गहरे आर्थिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित किया। ईएएस में, श्री ली ने कथित तौर पर कहा कि विदेशी ताकतों द्वारा हस्तक्षेप क्षेत्र में संघर्ष पैदा कर रहा है। चीन, जापान और दक्षिण कोरिया के साथ आसियान प्लस 3 बैठक में, श्री ली ने कथित तौर पर शिकायत की कि "बाहरी ताकतें अक्सर हस्तक्षेप करती हैं और यहां तक घ्कि एशिया में गुटीय टकराव और भू–राजनीतिक संघर्ष शुरू करने की कोशिश करती हैं। विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए देशों के बीच अधिक संवाद का आह्वान किया।

# एक और साल खराब वायु गुणवत्ता का सामना

ललित

त्वरित और निरंतर प्रयासों के बिना, उत्तरी भारत को एक और वर्ष बिगड़ती वायु गुणवत्ता का सामना करना पड़ेगा, जिससे लाखों लोग खराब वायु गुणवत्ता से जूझेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली–एनसीआर में वायु प्रदूषण में प्रमुख योगदानकर्ता पराली जलाने को नियंत्रित करने में विफलता के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। 3 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान दी गई अदालत की फटकार में जमीनी स्तर पर प्रभावी हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर दिया गया और सवाल उठाया गया कि आयोग ने फसल अवशेष जलाने से होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए संबंधित अधिनियम के किसी भी प्रावध ान को लागू क्यों नहीं किया है। पराली जलाना, विशेषकर उत्तरी राज्यों पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में, वर्षों से एक बड़ी पर्यावरणीय चुनौती रही है। खेती में बढ़ते मशीनीकरण, संयुक्त हार्वेस्टर के उपयोग, श्रमिकों की कमी और बढ़ती श्रम लागत के कारण किसान अक्सर धान और गेहूं की कटाई के बाद फसल अवशेषों को जलाने का सहारा लेते हैं। धान की फसल के बाद अक्टूबर और नवंबर में प्रचलित इस प्रथा के परिणामस्वरूप वायुमंडल में बड़ी मात्रा में कण निकलते हैं, जो दिल्ली–एनसीआर में खतरनाक वायु गुणवत्ता में योगदान करते हैं। सीएक्यूएम की सर्वोच्च न्यायालय की आलोचना इस मुद्दे से प्रभावी ढंग से निपटने में आयोग की असमर्थता पर व्यापक निराशा को दर्शाती है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण से निपटने के लिए तीन साल पहले स्थापित किए जाने के बावजूद, सीएक्यूएम की धीमी गति और ठोस परिणामों की कमी के लिए आलोचना की गई है। अदालत ने विशेष रूप से इस बात पर प्रकाश डाला कि आयोग की बैठक हर तीन महीने में केवल एक बार होती है, पराली जलाने जैसे बार–बार आने वाले संकट से निपटने के लिए यह बैठक अपर्याप्त मानी जाती है। इसके अलावा, आयोग ने अपनी स्थापना के बाद से केवल 82 निर्देश जारी किए हैं, एक संख्या जिसे अदालत ने समस्या के पैमाने से निपटने के लिए अपर्याप्त बताया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा उठाई गई एक महत्वपूर्ण चिंता दिल्ली–एनसीआर और उत्तर प्रदेश सहित अन्य प्रभावित राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के भीतर पर्याप्त कर्मचारियों की कमी है। अदालत ने आदेश दिया कि निगरानी और प्रवर्तन क्षमताओं में सुधार के लिए इन रिक्त पदों को 30 अप्रैल, 2025 तक भरा जाए। जमीनी स्तर पर उपायों को लागू करने के लिए प्रभावी स्टाफिंग महत्वपूर्ण है, खासकर उन किसानों से निपटने के दौरान जो अपने खेतों को खाली करने के लिए त्वरित और लागत प्रभावी तरीके के रूप में फसल अवशेष जलाने पर निर्भर हैं। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) और सुप्रीम कोर्ट दोनों के बार–बार हस्तक्षेप के बावजूद, पराली जलाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पिछले साल अकेले, विकल्प तलाशने के लिए किसानों के साथ जुड़ने के स्पष्ट निर्देशों के बाद भी, पंजाब में पराली जलाने की 33,000 से अधिक घटनाएं दर्ज की गईं। राज्य सरकारों और सीएक्यूएम के बीच समन्वित प्रयास की कमी ने सर्दियों के महीनों के दौरान प्रदूषण संकट को और बढ़ा दिया है। पराली को एक संसाधन में बदलनारू जबकि ध्यान सीएक्यूएम की विफलताओं और पंजाब जैसे राज्यों में जारी चुनौतियों पर केंद्रित है, उत्तर प्रदेश इस बात का एक उल्लेखनीय उदाहरण बनकर उभरा है कि कैसे पराली को अधिक टिकाऊ ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है। राज्य ने उन पहलों को सफलतापूर्वक लागू किया है जो पराली को ऊर्जा संसाधन और प्राकृतिक उर्वरक में बदल देती हैं, जिससे पर्यावरण और कृषि समुदाय दोनों को लाभ होता है। इस परिवर्तन की कुंजी कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्रों की स्थापना रही है जो परिवर्तित होते हैंफसल अवशेषों को ऊर्जा और उच्च गुणवत्ता वाली खाद में बदलें। इस दृष्टिकोण ने न केवल पर्यावरणीय चिंताओं को संबोधित किया है, बल्कि किसानों के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत भी बनाया है, जो सीबीजी प्रक्रिया के लिए कच्चे माल के रूप में पराली बेचते हैं। इस तरह, उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पराली एक बोझ से हटकर एक मूल्यवान संपत्ति बन गई है। पिछले वर्ष तक, उत्तर प्रदेश दस परिचालन संयंत्रों के साथ सीबीजी उत्पादन में देश में अग्रणी था। वर्तमान में, 24 सीबीजी इकाइयाँ सक्रिय हैं, और अन्य 93 निर्माणाधीन हैं। राज्य का लक्ष्य जल्द ही 100 से अधिक सीबीजी संयंत्र चालू करना है, इस लक्ष्य का केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने समर्थन किया है। मार्च 2024 की घोषणा के दौरान, उन्होंने 2025 तक अपने जैव–कोयला और बायोडीजल उत्पादन को दोगुना करने की राज्य की योजना पर प्रकाश डाला। उत्तर प्रदेश में सीबीजी उत्पादन की सफलता को उत्तर प्रदेश राज्य जैव–ऊर्जा नीति 2022 द्वारा बढ़ावा दिया गया है, जो इसके लिए विभिन्न प्रोत्साहन प्रदान करता है। कृषि अपशिष्ट का उपयोग करके जैव–सीएनजी और सीबीजी इकाइयों की स्थापना। नीति का लक्ष्य हर जिले में सीबीजी संयंत्र स्थापित करना, ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए पराली प्रबंधन के लिए स्थानीय समाधान प्रदान करना है। इस यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर 8 मार्च, 2023 को केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा धुरियापार, गोरखपुर में सीबीजी संयंत्र का उद्घाटन था। 165 करोड़ रुपये में बना यह प्लांट प्रतिदिन 200 मीट्रिक टन पुआल, 20 मीट्रिक टन प्रेस मड और 10 मीट्रिक टन गोबर का प्रसंस्करण करता है। यह 20 मीट्रिक टन बायोगैस और 125 मीट्रिक टन जैविक खाद का उत्पादन करता है, जो रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करते हुए उच्च कृषि उपज में योगदान देता है। यह पहल किसानों को अपने आय स्रोतों में विविधता लाने और ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अनुमति देती है। पराली जलाने की प्रथा को कम करके राज्य पर्यावरण संरक्षण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने विश्वास जताया है कि बायो–कोयला और बायोडीजल के बढ़े हुए उत्पादन से अगले पांच वर्षों में क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी।

# चकबन्दी विभाग के कार्यो की जिलाधिकारी ने किया समीक्षा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में गुरुवार सायं कलेक्ट्रेट सभागार में चकबन्दी विभाग के कार्यों की समीक्षा की गयी। बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी स्वतंत्र वीर सिंह ने अवगत कराया कि जनपद में कुल 83 ग्राम वर्तमान में चकबन्दी प्रक्रिया के अधीन है। इनमें से 46 ग्राम 10 वर्ष से अधिक समय से चकबन्दी प्रक्रिया के अन्तर्गत हैं। जिलाधिकारी द्वारा समीक्षा बैठक में शासन की प्राथमिकता के अनुसार 10 वर्ष से अधिक समय से चकबन्दी प्रक्रिया वाले ग्राम की चकबन्दी शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये गयें। जनपद में मा० उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश से प्रभावित ग्रामों की चकबन्दी पूर्ण कराने हेतु सम्बन्धित रिट याचिका के पक्षकारों के मध्य समझौता कराके तथा आवश्यकता पड़ने पर पक्षकारों के मध्य जिलाधिकारी के समक्ष समझौता कराके गतिरोध समाप्त कराके चकबन्दी प्रक्रिया पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद में वित्तीय वर्ष 2023–24 में नव प्रसारित 32 ग्रामों में से अधिकांश ग्रामों में चकबन्दी समिति के गठन के उपरान्त तरमीम कार्य प्रारम्भ न होने पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए लक्ष्य के अनुसार कार्य प्रगति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में सम्मिलित विषय के अनुसार चकबन्दी विभाग में विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन वादों का शीघ्र निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। चकबन्दी प्रकिया के अन्तर्गत सम्मिलित सभी ग्रामों में अभियान चलाकर एक सप्ताह में सभी निर्विवादित वरासत दर्ज करने के निर्देश दिये गए हैं। बैठक में श्री राम अपर जिलाधिकारी (वि०रा०) अक्षयवर चौहान, जनपद के समस्त चकबन्दी अधिकारी, सहायक चकबन्दी अधिकारी, चकबन्दीकर्ता, चकबन्दी लेखपाल, मानचित्रकार, अनुरेखक एवं लिपिक उपस्थित रहे।

# 'बल्दीराय थाना क्षेत्र में धूमधाम से सम्पन्न हुआ दुर्गा पूजा का विसर्जन शोभा यात्रा में उमड़ा जन शैलाब'

सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के पारा बाजार में हर वर्ष की भांति विसर्जन को जाती हुई मूर्ति को बल्दीराय ब्लाक प्रमुख शिवकुमार सिंह,एसडीएम गामिनी सिंगला (आईएएस),सीओ सौरभ सावंत, खण्ड विकास अधिकारी बल्दीराय वैशाली (आईएएस),केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति बल्दीराय के अध्यक्ष महेश जायसवाल,प्रधान अमन सोनी,मुकेश अग्रहरि,केंद्रीय पूजा समिति के संरक्षक आचार्य सूर्यभान पांडेय ने माल्यार्पण कर किया नमन दी विदाई।केन्द्रीय दुर्गा पूजा समिति बल्दीराय के पदाधिकारियों ने प्रत्येक मूर्तियों का माल्यार्पण कर दी विदाई। भारी जन समूह के साथ अधिकारीगण मौजूद रहे। मूर्ति विसर्जन सकुशल सम्पन्न कराने के लिए क्षेत्र में कई जिलों की भारी पुलिस व पीएसी के जवानों की तैनाती की गई थी। सकुशल मूर्ति विसर्जन की शोभा यात्रा सम्पन्न होने के बाद शासन प्रशासन सहित जनप्रतिनिधियो ने राहत की सांस लिया।इस वर्ष विसर्जन में शासन व प्रशासन दोनों काफी गम्भीर था। बल्दीराय,पारा और वलीपुर के मूर्ति विसर्जन की पल–पल की सूचना मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ले रहे थे। मूर्ति विसर्जन सकुशल संपन्न हो जाने से आयोजकों के चेहरे खिल गए।आयोजकों ने सरकार व शासन–प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया।

# जनपद में नही है डी0ए0पी0, एन0पी0 केद्र की कोई कमी – उप कृषि निदेशक

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' शुक्रवार को उप कृषि निदेशक ने जानकारी देते हुए बताया कि जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में उर्वरक आपूर्ति एवं वितरण की समीक्षा की गयी। समीक्षा बैठक में उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी एवं सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता उपस्थित रहे। उन्होंने सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता को निर्देशित किया कि डी०ए०पी० उर्वरक का तेजी से सहकारी समितियों पर प्रेषण सुनिश्चित करायें। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता द्वारा अवगत कराया गया कि प्रतिदिन लगभग 350 मी०टन डी०ए०पी० का प्रेषण सहकारी समितियों को किया जा रहा है। साथ ही सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता द्वारा यह भी अवगत कराया कि जनपद में सहकारी क्षेत्र में फास्फेटिक उर्वरको का पी०सी०एफ स्टॉक डी०ए०पी० 2280 मी०टन एवं एन०पी०के० 380 मी०टन उपलब्ध है, जिसका प्रेषण समितियों पर लगातार किया जा रहा है।

जनपद में 115 सहकारी समितियों के माध्यम से फास्फेटिक उर्वरको का वितरण दिनांक 01 अक्टूबर 2024 से आज तक डी०ए०पी० 2920 मी०टन एवं एन०पी०के० 120 मी०टन का वितरण किया जा चुका है। साथ यह भी अवगत कराना कि दिनांक 20.10.2024/21.10.2024 को फास्फेटिक उर्वरक डी०ए०पी० 1901 मी०टन एवं एन०पी०के० 826 मी०टन कुल 2727 मी०टन की एक रैक मै० ईफको कम्पनी द्वारा जनपद में आपूर्तित की जा रही है, जो लगभग 20 से 25 दिनों के लिए जनपद में कृषक बन्धुओं हेतु पर्याप्त होगी। इसके अलावा निजी क्षेत्र में फास्फेटिक उर्वरक डी०ए०पी० 3951 मी०टन एवं एन0पी0के 4826 मी०टन उपलब्ध है। दिनांक 16.10.2024 को बरेली रैक प्वांइट से जनपद शाहजहांपुर को मै० हिण्डालको कम्पनी द्वारा फास्फेटिक उर्वरक डी०ए०पी 400 मी०टन प्राप्त हुयी है, जिसका प्रेषण सडक मार्ग द्वारा बरेली रैक प्वांइट से जनपद शाहजहांपुर के फुटकर उर्वरक बिकी केन्द्रों पर किया जा रहा है। जनपद में फास्फेटिक उर्वरक की उपलब्धता पर्याप्त मात्रा में है। कृषक बन्धु जनपद की सहकारी समितियों से और अपने विकास खण्ड के अन्तर्गत फुटकर उर्वरक विक्रेताओं से फास्फेटिक उर्वरक डी०ए०पी०एन०पी०के० क्रय कर सकते है। कृषि निवेश यथा–बीज/उर्वरक आदि निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराने, कृषि निवेशों की आपूर्ति व वितरण व्यवस्था पर सतत् निगरानी रखने तथा कृषकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है। उर्वरक से संबंधित समस्या के लिये कन्ट्रोल रूम का मोबाइल नम्बर– 8429400522 व 8429400585 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

# मिशन शक्ति प्रचार प्रसार के लिये आगे आयी महिला पुलिसकर्मियों की टोली

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शासन के निर्देश के क्रम में पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजय पाल शर्मा के निर्देशन में मिशन शक्ति विशेष अभियान के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर तथा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी श्री शाहरुख खाँ एवं क्षेत्राधिकारी सुश्री प्रतिमा सिंह के पर्यवेक्षण व नेतृत्व में थाने की पुलिस महिला कर्मचारियो के अतिरिक्त अब पुलिस कार्यालय जौनपुर की महिला कर्मचारीगण भी मिशन शक्ति प्रचार प्रसार के लिये आगे आयी है इनकी टीम ने जालांस शॉपिंग माल थाना लाइनबाजार जौनपुर मे कार्य स्थल पर महिलाओ का लैंगिक उत्पीडन के बारे मे जानकारी देते हुये वहाँ के समस्त महिला कर्मचारियो व मॉल मे आयी महिलाओ , बालिकाओ को किया जागरूक किया तथा थाना जफराबाद रायपुर बीट क्षेत्र मे भी आगनवाडी महिलाओ के साथ मिलकर किया सम्पूर्ण तन्मयता के साथ जागरुक करते हुये उनकी समस्या को भी सुना। इस दौरान सरकार की योजनाओ के बारे मे तथा टोलफ्री नम्बरो के बारे में भी जानकारी दी गई। थाने की महिलाओं के साथ–साथ अब पुलिस कार्यालयध पुलिस लाइन की महिलाएं भी मिशन शक्ति के अंतर्गत बीट में जाकर महिलाओं को जागरुक कर रही हैं।

# जनपद स्तरीय युवा उत्सव एवं विज्ञान मेले का हुआ आयोजन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग हरदोई के तत्वाधान में आयोजित एक दिवसीय जनपद स्तरीय युवा उत्सव एवं विज्ञान मेले का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षा जिला पंचायत महोदया श्रीमती प्रेमावती वर्मा जी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर सरस्वती माता तथा स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया । आयोजन में सांस्कृतिक लोकनृत्य समूह तथा एकल, लोक गीत समूह तथा एकल जीवन कौशल कविता, कहानी लेखन, चित्रकारी एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वही थीमेटिक विज्ञान मेला में पॉलिटेक्निक हरदोई एवं अन्य विद्यालयों में अध्ययनरत युवा वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। अध्यक्षा द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों युवा वैज्ञानिकों को उत्साह वर्धन करते हुए उनके द्वारा प्रस्तुत नए मॉडलों की प्रशंसा भी गई । कार्यक्रम में लोकगीत समूह में सी एस एकेडमी लोकगीत एकल में सुश्री निधि शुक्ला सेंट जेवियर लोक नृत्य समूह में आर्य कन्या पिहानी लोकनृत्य एकल में सेंट जेवियर पिहानी से प्रगति सिंह भाषण में निशा राठौर कहानी लेखन में अंश अवस्थी चित्रकारी शिवांक गुप्ता कहानी लेखन में अंश अवस्थी कविता में आंशिक तोमर विज्ञान मेले राजकीय पॉलिटेक्निक हरदोई की छात्रा श्रद्धा अवस्थी तथा गुनगुन बाजपेई प्रथम रही।

कार्यक्रम का आयोजन शिवराम सिंह जिला युवा कल्याण अधिकारी हरदोई द्वारा किया गया जिसमें, व्यायाम प्रशिक्षक मनोज यादव क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी नितिन कुमार (कार्यक्रम प्रभारी), अंबुज शुक्ला, दीपक सिंह, रमाकांत तथा निर्णायक मंडल में महेश कुमार अस्थाना, रणविजय सिंह, राजकुमार सिंह देश दीपक शुक्ला, अनिल श्रीवास्तव, तथा सहयोगी देवेश मिश्रा उपस्थित रहे। मंच का संचालन संजीव गुप्ता द्वारा किया। कार्यक्रम का समापन जिला युवा अधिकारी सुश्री प्रतिमा वर्मा द्वारा विजेता प्रतिभागियों को मेडल व ट्रॉफी प्रदान कर किया गया।

# अध्यक्ष मनीष वर्मा, वरिष्ठ महामंत्री नितिन जैन, महामंत्री देवजीत पाण्डेय, कोषाध्यक्ष यशपाल सिंह को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई "अमरनाथ मिश्र"

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ व्यापार मण्डल के महामंत्री सुहैल हैदर अल्वी ने मंच का संचालन करते हुए बताया कि आज मंशीपुलिया व्यापार मण्डल का शपथ ग्रहण समारोह इन्दिरा नगर मैरिज लॉन (कल्याण मण्डप) निकट सुख कॉम्प्लेक्स मुन्शीपुलिया लखनऊ में अध्यक्षता राजेंद्र कुमार अग्रवाल चेयरमेन लखनऊ व्यापार मंडल , मुख्य अमरनाथ मिश्र जी अध्यक्ष लखनऊ व्यापार मण्डल, विशिष्ट अतिथि पवन मनोचा वरीष्ठ महामंत्री लखनऊ व्यापार मण्डल अतिथि देवेन्द्र गुप्ता, अभिषेक खरे जितेन्द्र सिंह चौहान वरिष्ठ महामंत्री अरविन्द पाठक, जी, संरक्षक प्रदीप अग्रवाल,जी मंचासीन रहे।

मुन्शीपुलिया व्यापार मण्डल के अध्यक्ष मनीष वर्मा, वरिष्ठ महामंत्री नितिन जैन ने मुख्य अतिथि राजेंद्र कुमार अग्रवाल एवं अमरनाथ मिश्र जी को अंग वस्त्र स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया, महामंत्री देवजीत पाण्डेय ने विशिष्ट अतिथि पवन मनोचा जी को अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया तथा कोषाध्यक्ष यशपाल सिंह ने अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया

मुख्य अतिथि अमरनाथ मिश्र द्वारा अध्यक्ष मनीष वर्मा, वरिष्ठ महामंत्री नितिन जैन, महामंत्री देवजीत पाण्डेय, कोषाध्यक्ष यशपाल सिंह, को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी।

विशिष्ट अतिथि पवन मनोचा द्वारा वरिष्ठ उपाध्यक्ष सभाजीत वर्मा, उपाध्यक्ष विपिन चौधरी, प्रशान्त गुप्ता, रामायण श्रीवास्तव,जावेद अली, विधि सलाहकार विवेक कुमार सिंह, प्रवक्ता विजय पाण्डेय,वरिष्ठ मंत्री बृजमोहन अवस्थी, आनन्द गुप्ता, अनिल पाण्डेय, हरीश चन्द्र गुप्ता, सुफल वर्मा, मंत्री घनश्याम कौशल, नौसाद आलम, मो. आरिफ, सचिव शुभम श्रीवास्तव, रचित चौरसिया, एडविन हेनरी, मारकन्डे यादव, शिवम श्रीवास्तव, सदस्य शिवम सिंह चाँद नवी खान, मा. अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र जी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि समस्या अनेक है उनका सामना हम सबको मिलकर करना है और सोशल मीडिया का प्रयोग जरूर करें कोई भी समस्या आए उसको सोशल मीडिया के माध्यम से शेयर करें ताकि उसका समाधान हो सके, समय समय पर व्यापारियों के साथ बैठक अवश्य करें ताकि बाजार की समस्याओं का समाधान कराया जा सके और शहर के जाम को देखते हुए न खुद अतिक्रमण करें और बाहरी लोगों को न अतिक्रमण करने दें। त्यौहारों के सीजन में टप्पेबाज, चोर जेब कतरे सक्रिय हो जाते है हम सभी लोग सर्तक रहें और व्यापारियों को जागरूक करें, अपने आस–पास कोई अवांक्षित व्यक्ति दिखाई दे तो तुरन्त टोके और पुलिस को भी सूचित करें।

मिश्रा जी ने कहा व्यापार मण्डल का निशान तराजू है जिसका एक पलड़ा सम्मान है और एक संघर्ष है।

वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा जी सभी व्यापारी भाइयों को बधाई देते हुए कहा हम व्यापारी अनेकता में एकता पर विश्वास रखते कौम पार्टी कोई भी हो हम पहले व्यापारी है लखनऊ व्यापार मण्डल व्यापारियों का एक मात्र विश्सवस्नीय व्यापारिक व्यापार मण्डल है जो कि व्यापारियों की हर समस्या को प्राथमिकता पर रख कर हल कराने का प्रयास करता है आज हमारे संगठन की लखनऊ के हर छोटी सी छोटी बाजारों में संगठन या पदाधिकारी मौजूद है जिसके माध्यम से व्यापारिक समस्यों हल कराया जाता है हमारी तरफ से मुन्सीपुलिय व्यापार मण्डल के हर व्यापारी को यह विश्सवास दिलाना चाहते है कि आपकी सममस्या लखनऊ व्यापारिक परिवार की है हमारे सभी पदाधिकारी एवं सिपाही आपकी आवाज पर 24घंटे खड़े रहेंगे।

कोषाध्यक्ष देवेन्द्र गुप्ता जी ने कहा कि आज लखनऊ व्यापार मण्डल हर पदाधिकारी एक स्तम्भ है जो कि अपने अपने क्षेत्र में व्यापार मण्डल की बनाकर लखनऊ व्यापार मण्डल का बड़ा विस्तार कराने में लगे है जिसके लिए हम सभी पदाधिकारियों को भूरि भूरि प्रशन्सा करते है,नवगठित टीम को बधाई दी

अभिषेक खरे, जितेन्द्र सिंह चौहान वरिष्ठ महामंत्री अरविन्द पाठक, ने भी व्यापारियों को सम्बोधित किया और बधाई दी। अध्यक्ष मनीष वर्मा वरिष्ठ महामंत्री नितिन जैन जी ने कहा कि अध्यक्ष अमरनाथ जी के नेत्रत्व में पूरे लखनऊ में क्षेत्रीय व्यापार मण्डल कार्य कर रहें है जिसमें हम लोग तन–मन–धन के साथ एक सिपाही के रूप में लगे रहते है, हमारे सभी पदाधिकारी मुन्सीपुलिया के व्यापारियों की समस्या को हल कराने का प्रयास करेंगे।

# 22 सूत्रीय कर्मचारी समस्याओं पर कोई भी सार्थक निर्णय नहीं लिया है – डी0बी0 सिंह चौहान

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। जलकल कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति लखनऊ उ०प्र० के आवाहन पर कर्मचारियों की समस्याओ को लेकर जलकल, जोन–2, ऐशबाग, लखनऊ पर कर्मचारी सभा का जागरण किया गया, जिसकी अध्यक्षता समिति के विधिक सलाहकार श्री डी०बी० सिंह चौहान द्वारा की गयी। सभा को सम्बोधित करते हुए संघर्ष समिति के उपसंयोजक श्री सूरज भान सिंह ने कहा कि जलकल प्रशासन, लखनऊ द्वारा पत्र सं0–1496/ सचिव/संघ दिनांक 17.10.2024 के द्वारा जो कार्यवृत्त कर्मचारी समस्याओं के निस्तारण हेतु जारी किया गया है, जिसमें लगभग 3 कर्मचारी समस्याओं के निस्तारण हेतु कार्यवृत्त में स्पष्ट किया गया। अन्य समस्याओं के प्रति जो तथ्य दिये गये वह बिल्कुल आधारहीन एवं भ्रामक है। प्रशासन द्वारा अपनी हठधार्मिता दिखाते हुए समस्त 22 सूत्रीय कर्मचारी समस्याओं पर कोई भी सार्थक निर्णय नहीं लिया है, जिस हेतु संघर्ष समिति, लखनऊ, उ०प्र० द्वारा दिनांक 22.10.2024 को जलकल मुख्यालय, ऐशबाग, लखनऊ महाप्रबन्धक कार्यालय के समक्ष धरना/प्रदर्शन/आंदोलन अनशन किया जायेगा। सभा को श्री रूपेन्द्र कुमार पाण्डेय, श्री राजेन्द्र यादव, श्री शैलेश धानुक, श्री रमेश तिवारी, श्री हरेश कुमार, श्री हिमांशु निगम, श्री अशोक कुमार, श्री नेंबूलाल, श्री हरीश कुमार, श्री अभिनन्दन सिंह, श्री विनोद वर्मा सहित आदि कर्मचारी नेताओं ने सम्बोधित किया।

# जनपद में वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनायी गयी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शासन के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के नेतृत्व में जनपद में वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनायी गयी। आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर तहसील, ब्लाक तथा जनपद स्तर पर महर्षि वाल्मीकि से सम्बन्धित स्थलों सहित विभिन्न देवालयों और मन्दिरों में भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम, रामायण पाठ आदि का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला प्रशासन के द्वारा आयोजन स्थल पर साफ– सफाई आदि की व्यवस्था की गयी थी। संस्कृति विभाग से पंजीकृत कलाकारो के द्वारा विभिन्न मंदिरों में भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रमध्रामायण पाठध्भजन आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर सोनम सरोज एण्ड पार्टी के द्वारा सदभावना पुल के नवदुर्गा मन्दिर, अब्दुल राशिद एण्ड पार्टी के द्वारा हनुमान मन्दिर जलालपुर, विजय बहादुर एण्ड पार्टी के द्वारा हनुमान मन्दिर गौराबादशाहपुर सहित अन्य कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम /रामायण पाठ /भजन आदि कार्यक्रम किया गया।

# मिशन शक्ति के दौरान कन्या जन्म पर माता पिता को किया गया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शासन के निर्देश के क्रम में पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजय पाल शर्मा के निर्देशन में मिशन शक्ति विशेष अभियान के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर तथा अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी श्री शाहरुख खाँ एवं क्षेत्राधिकारी सुश्री प्रतिमा सिंह के पर्यवेक्षण व नेतृत्व में थाने की पुलिस महिला कर्मीचारियो के अतिरिक्त अब पुलिस कार्यालय जौनपुर की महिला कर्मचारीगण भी मिशन शक्ति प्रचार प्रसार के लिये आगे आयी है इनकी टीम ने जलान माल थाना लाइनबाजार जौनपुर मे कार्य स्थल पर महिलाओ का लौगिक उत्पीडन के बारे मे जानकारी देते हुये वहाँ के समस्त महिला कर्मचारियो व माल मे आयी महिलाओ , बालिकाओ को किया जागरूक किया तथा थाना जफराबाद रायपुर बीट क्षेत्र मे भी आगनवाडी महिलाओ के साथ मिलकर किया सम्पूर्ण तन्मयता के साथ जागरुक करते हुये उनकी समस्या को भी सुना।

इस दौरान सरकार की योजनाओ के बारे मे तथा टोलफ्री नम्बरो के बारे में भी जानकारी दी गई।

# शांति पूर्वक सम्पन्न हुई विसर्जन यात्रा

सुल्तानपुर–बल्दीराय क्षेत्र में चल रहा दुर्गापूजा पर्व कल वृहस्पतिवार को शांतिपूर्ण व आस्था पूर्वक सम्पन्न हो गया। तहसील क्षेत्र बल्दीराय के बघौना से पहली मूर्ति जब गाजे बाजे के साथ विसर्जन के लिए निकली तो उसी के पीछे पीछे सारी मूर्तियां क्रमबद्व तरीके से एक दूसरे में जुड़ी चली गई,भक्ति के सैलाब में डूबे भक्त जयकारा लगाते हुए नाचते गाते पीछे पीछे चल रहे थे लेकिन बल्दीराय पहुंचते ही विसर्जन का जुलूस दो धड़ो में बंट गया,बघौना से बहुरावां तक की विसर्जन यात्रा अपने तय समय के अनुरूप पारा चौराहे पर पहुंच गई लेकिन बल्दीराय से आगे की विसर्जन यात्रा को शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ाने के लिए उपजिलाधिकारी,क्वै सहित प्रशासन के पसीने छूट गए,शोभायात्रा देर से निकालने के चलते व क्श्र का भारी शोर कुछ देर के लिए प्रशासन को विचलित कर दिया। पारा चौराहे से विसर्जित होने के लिए अक्सर मूर्तियां जा चुकी थी, वहीँ शोभायात्रा में दैत्याकार क्श्र को देख कर प्रशासन हलाकान दिख रहा था शासन की गाइडलाइन का कोई असर नही हुआ।'सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम'– मूर्ति विसर्जन को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतेजाम किए गए थे जहां अपर पुलिस अधीक्षक,उपजिलाधिकारी,DSP लगातार कॉम्बिंग कर रहे थे और शांति पूर्वक विसर्जन शोभायात्रा सम्पन्न करा रहे थे और रास्ते में पड़ने वाले सभी धार्मिक स्थलों पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के साथ साथ तिरपाल से ढंकवा दिया था।

'केंद्रीय दुर्गापूजा समित ने किया स्वागत–' केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष महेश जायसवाल, संरक्षक सूर्यभान पांडेय सहित मंडल अध्यक्ष राजधर शुक्ला,प्रधान पारा अमन सोनी,मुकेश अग्रहरि सहित कई लोगों ने पारा चौराहे पर विसर्जन के लिए जा रही मूर्तियों का आस्था से स्वागत किया।'जिलाधिकारी व कप्तान की उपस्थिति सराहनीय'– जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना व कप्तान सोमेन वर्मा लगातार विसर्जन को लेकर नजर बनाए हुए थे विसर्जन यात्रा के दैरान पारा चौराहे पर पहुंच कर विसर्जन शोभायात्रा का जायजा लिया।

'2022 की घटना नही भूले लोग'–10 अक्टूबर 2022 को थाना क्षेत्र बल्दीराय के वल्लीपुर से इब्राहिमपुर होते हुए मूर्ति विसर्जन यात्रा एक समुदाय के धार्मिक स्थल पास के पास पहुंची थी कि क्श्र को लेकर दो समुदायों में विवाद हो गया देखते देखते विवाद इतना बढ़ा की बाहर से भी फोर्स बुलाबी पड़ी थी।विवाद में 8 लोग घायल हुए थे। बवाल की सूचना मिलते ही लोग सड़कों पर उपद्रव करने लगे 5 से 7 घंटे लगातार उपद्रव चलता रहा।डीआईजी तक को घटना स्थल पर पहुंचना पड़ा था। मदरसे के प्रिंसिपल सहित 32 नामजद 150 के खिलाफ मुकदमा लिखा गया था। 'दूसरे पक्ष ने भी कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ था इब्राहिमपुए कांड में दूसरे समुदाय के लोगों ने भी 3 महीने बाद कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज करवाया था जिसमें 22 नाम जद व 50 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर पंजीकृत हुई थी।

# सनातन विश्वविद्यालय एवं गुरुकुल देगा संस्कारित शिक्षा - ऋतेश्वर महाराज

सुल्तानपुर। धाम वृंदावन के परम संत आनन्द मठ व सनातन विश्वविद्यालय एवं गुरूकुल के संस्थापक सदगुरु ऋतेश्वर महाराज लखनऊ जाते समय एक निजी गेस्ट हाउस में थोड़ी देर के लिए रूके। उन्होंने उपस्थित गणमान्य लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अपने परिवार राष्ट्र और सनातन संस्कृति की रक्षा हेतु सनातन विश्वविद्यालय एवं गुरुकुल एक सनातनी पहल है। मेरे प्रिय भारत वासियों मेरा यही प्रयत्न है कि तनाव बेरोजगारी तथा मनुष्य को ही यंत्र बनाने वाली शिक्षा नीति का पूर्णता समापन भारत में हो सनातन विद्या पद्धति को भारत अपना कर शांति प्रेम आनंद विकसित करें तथा हम ज्ञान के बल पर पुनः विश्व गुरु बनकर समस्त जगत को प्रेम मार्ग देने का प्रयत्न करें। भारत ही नहीं अपितु विश्व का पहला सनातन

विश्वविद्यालय जो काशी में निर्मित होने जा रहा है। उसके संस्थापक सदस्य होने का अवसर मुझे एक करोड़ सनातनियों के साथ मिल रहा है।आप भी इस गौरव के अधिकारी बने यह विश्वविद्यालय न केवल भारत बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान का प्रकाश स्तंभ बनेगा। उन्होंने उपस्थित गणमान्य लोगों को धर्म दंड से आशीर्वाद दिया। इस मौके पर हिंदु युवा वाहिनी के मण्डल अयोध्या के प्रभारी रहे आशीष सिंह, पालीवाल एसोसिएट के डायरेक्टर राकेश सिंह पालीवाल,उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सुल्तानपुर के मीडिया प्रभारी रणवीर सिंह,रोडवेज यूनियन के मण्डल अयोध्या अध्यक्ष अजय सिंह,इंजीनियर रत्नाकर सिंह,सौरभ सिंह,लकी यतेंद्र सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## मछली व्यापारी समेत दो की सड़क हादसे में मौत

गोरखपुर, संवाददाता। खजनी और पिपराइच क्षेत्र में बुधवार को अलग–अलग सड़क हादसों में मछली व्यापारी समेत दो लोगों की मौत हो गई। खजनी में हुए हादसे में के बाद चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर गाड़ी कब्जे में लेकर अज्ञात चालक के विरुद्ध केस दर्ज किया है। जबकि, पिपराइच में घटना के बाद चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। पुलिस गाड़ी व चालक की तलाश कर रही है। खजनी प्रतिनिधि के अनुसार, सरया तिवारी मोड़ पर सुबह 10 बजे बोलेरो ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इसमें भरोहिया के डोहरिया वासुदेव निवासी अश्वनी त्रिपाठी गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस घायल को अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। खजनी थानेदार ने बताया कि केस दर्ज कर सीसी कैमरे की मदद से गाड़ी की तलाश की जा रही है। पिपराइच प्रतिनिधि के अनुसार, छोटकी रेतवहिया निवासी जगेसर की बीआरडी मेडिकल कालेज में उपचार के दौरान सुबह मौत हो गई। मंगलवार की रात तिनकोनिया रेंज स्थित चौकी टोला से वह साइकिल से अपने घर जा रहा था। भट्ठा चौराहे पर पिपराइच से पादरी बाजार की तरफ जा रही मैजिक की टक्कर से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था।

## तैयार हो रहा रामगढ़ताल, 20 प्रदेशों से आएंगी टीमें- रोइंग के रोमांच का आनंद ले सकेंगे लोग

गोरखपुर, संवाददाता। रामगढ़ताल में गोरखपुरवासियों को 22 से 26 अक्तूबर तक रोइंग का रोमांच देखने को मिलेगा। 25वीं सब जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप को लेकर तैयारियां जारी हैं। खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव 23 अक्तूबर को औपचारिक रूप से शुभारंभ करेंगे। समापन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे। आयोजन सचिव पुनीत बालियान ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए 20 प्रदेशों की टीमों ने अपना पंजीकरण कराया है। बालक व बालिका वर्ग में कुल 240 खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। इनमें 136 बालक व 114 बालिका खिलाड़ी शामिल हैं। इन टीमों के साथ कुल 33 ऑफिशियल्स होंगे। प्रतियोगिता के लिए ज्यूरी 19 अक्तूबर को गोरखपुर आ जाएगी। उसी दिन से रामगढ़ताल में जूरी की निगरानी में रामगढ़ताल में कोर्स लाइन तैयार की जाएगी। टीमें 21 और 22 अक्तूबर को गोरखपुर पहुंचेंगी।

उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में सबसे बड़ा दल महाराष्ट्र से आ रहा है। वहां से 24 बालक व 20 बालिका खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। हरियाणा से 29, पश्चिम बंगाल से 27, केरल से 24, पंजाब से 17, झारखंड व हरियाणा से 16–16, तमिलनाडु से 14, उड़ीसा से 11 खिलाड़ी शामिल होंगे। यूपी से कुल चार खिलाड़ी इसमें प्रतिभाग करेंगे, इसमें एक गोरखपुर से है। बालक और बालिका वर्ग में पांच–पांच इवेंट आयोजित होंगे। सभी प्रतियोगिताएं 500 मीटर में होंगी। सिंगल स्कल्स, डबल स्कल्स, कॉक्सलेस पेयर और कॉक्सलेस 4, अंडर 13 डबल स्कल्स प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। आरएसओ आले हैदर ने बताया कि रामगढ़ताल में 22 अक्तूबर से शुरू हो रही सब जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप की तैयारियां शुरू हो गई हैं। वॉटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और होटलों में खिलाड़ियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है। खेलो इंडिया गेम्स की तरह ही भव्य आयोजन होगा।

## संक्षिप्त खबरें

### तीन शिक्षकों का हुआ स्थानांतरण, हंगामा विरोध

गोरखपुर, संवाददाता। गोरखपुर राजकीय दृष्टि बाधित विद्यालय के तीन शिक्षकों का स्थानांतरण हो जाने के विरोध में डीएम कार्यालय पर छात्रों ने घेराव कर लिया। दृष्टि बाधित छात्र शिक्षकों के स्थानांतरण के निरस्त किए जाने की मांग कर रहे थे। मांगे नहीं सुनी जाने पर अचानक ये छात्र नाराज हो गए और हंगामा करने लगे। मुख्ये गेट पर शोर हंगामा करते हुए गेट की बाऊंड्री का शीसा तोड़ दिया। इस दौरान मौके पर एसडीएम औप अन्य अधिकारी भी पहुंच गए। उन्होंने भी इन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन ये नहीं मानें। फिलहाल सभी धरने पर बैठे हैं।

### बीएचयू में रेजिडेंट की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी

वाराणसी, संवाददाता। आईएमएस बीएचयू में रेजिडेंट की हड़ताल तीसरे दिन गुरुवार को भी जारी रही। इस दौरान ओपीडी में मरीजों की भीड़ देखने को मिली। लोग डॉक्टर के पास अपना पर्चा जमा करके अपनी बारी का इंतजार करते रहे। सामान्य दिनों में जहां कंसल्टेंट के साथ रेजिडेंट भी मरीज को बैठकर देखते हैं वहीं हड़ताल की वजह से ओपीडी में रेजिडेंट की कुर्सी खाली रही और कंसलटेंट मरीजों को देख रहे हैं। उधर, आईएमएस निदेशक कार्यालय पर रेजिडेंट प्रदर्शन कर रहे हैंन उनका कहना है कि अब तक कई बार आईएमएस बीएचयू प्रशासन से सुरक्षा, संस्थागत एफआईआर करवाने की मांग करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जब तक मांगे पूरी नहीं होंगी, हड़ताल जारी रहेगी।

### घाट किनारे चलाया गया सफाई अभियान

वाराणसी, संवाददाता। शरद पूर्णिमा पर हर–हर गंगे की गूंज के बीच नमामि गंगे ने दशाश्वमेध घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया। जन–जन को स्वच्छता से जुड़ने की अपील करके नमामि गंगे ने मां गंगा की आरती उतारी । पॉलिथीन कचरा तथा गंगा में श्रद्धालुओं द्वारा विसर्जित की गई पूजा सामग्री के अवशेषों को गंगा के जल से बाहर निकाला गया। गंगा को स्वच्छ रखने के लिए लाउडस्पीकर से श्रद्धालुओं को जागरूक किया गया। नमामि गंगे की टीम को देख वहां पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी टीम का साथ दिया। उन्होंने मां गंगा की आरती उतारकर स्वच्छता का संकल्प लिया। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक व नगर निगम ब्रांड एंबेसडर राजेश शुक्ला ने बताया कि हमारे सभी धार्मिक ग्रंथो एवं शास्त्रों ने पर्यावरण के संरक्षण का संदेश दिया है। वेदों और पुराणों में वर्णन मिलता है मनुष्य को अपने किसी भी कृत्य से पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। आयोजन में विशेष रूप से उपस्थित राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन नई दिल्ली के प्रतिनिधि अथर्वराज पाण्डेय ने गंगा सफाई के लिए एकजुट होकर जन भागीदारी सुनिश्चित करने का आवाह्न किया।

### एसपी का एक्शन रिश्वत मांगने के मामले में दो सिपाही सस्पेंड

बलिया, संवाददाता। बलिया जिले में हादसे में पकड़ी गई ई–रिक्शा को समझौते के बाद भी छोड़ने के लिए रिश्वत मांगने के मामले में एसपी ने दो पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। उन्हें कर्तव्य के प्रति लापरवाही, उदासीनता एवं अनुशासनहीनता का दोषी माना दया है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर की इस कार्रवाई से विभागीय गलियारे में हड़कम्प मचा है।

यह है मामला

14 अक्टूबर को सुबह 11 बजे शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत रेलवे क्रासिंग के समीप एक शोरूम में ई–रिक्शा अनियंत्रित होकर टकरा गया था। इसकी सूचना पर उक्त ई–रिक्शा को पुलिस चौकी सिविल लाइन में लाकर खड़ी कर दिया गया था। बाद में शोरूम के मालिक ने ई–रिक्शा के मालिक से समझौता कर लिया। इसके बावजूद ई–रिक्शा छोड़ने के नाम पर रिश्वत की मांग करने और अनावश्यक रूप से पुलिस चौकी सिविल लाइन पर उसको रोके रखा गया। कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही, उदासीनता एवं अनुशासनहीनता बरतने के आरोप में आरक्षी आशीष सैनी एवं आरक्षी सौरभ कुमार तिवारी को पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

### रिटायरमेंट से 14 दिन पहले बीडीओ सस्पेंड

बलिया, संवाददाता। बलिया जिले के मनियर में सामूहिक विवाह योजना में हुई धांधली के मामले में शासन ने नवानगर के बीडीओ देवेंद्र नाथ को निलंबित कर दिया है। जबकि इसी महीने की 31 तारीख को उनकी सेवानिवृत्ति होनी थी। इस संबंध में शासन का पत्र जिला प्रशासन को मिला है। इसकी पुष्टि मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज ने की है। सीडीओ ने बताया कि मनियर में आयोजित सामूहिक विवाह में हुई धांधली की जांच की कार्रवाई चल रही है और रिपोर्ट शासन को प्रेषित की जा रही है। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि लाभार्थियों के पात्रता का सत्यापन करने में नवानगर के बीडीओ देवेंद्र नाथ ने लापरवाही बरती थी। जिसके चलते सामूहिक विवाह में बड़ी संख्या में अपात्र भी शामिल हुए थे। इसकी रिपोर्ट शासन को प्रेषित की गई थी।

## कर्जमाफी की अफवाह पर कार्रवाई

गोरखपुर, संवाददाता। कर्जमाफी की अफवाह के मामले में महराजगंज के बाद अब गोरखपुर में भी केस दर्ज किया गया है। माइक्रो फाइनेंस कंपनी का लोन माफ करने की झूठी सूचना देकर महिलाओं से वसूली के आरोप में आंबेडकर जनमोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा और संयोजक श्रवण निराला पर बुधवार को गोरखनाथ थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई।

माइक्रो फाइनेंस कंपनी के डिविजनल हेड ऋतु साहू ने केस दर्ज कराया है। मंगलवार को महाराजगंज के फरेंदा थाने में भी दोनों पर केस दर्ज किया गया था। इसमें आरोपी श्रवण निराला को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। आरोप है कि आंबेडकर जनमोर्चा के पदाधिकारियों की ओर से गांव–गांव जाकर फर्जी कर्जमाफी की सूचना प्रसारित कर दी गई थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर यह सूचना तेजी से वायरल होने लगी। आरोप लगाया गया है कि कर्ज माफ करने के नाम पर एक फॉर्म को भरने के लिए 500 रुपये भी महिलाओं से वसूले गए। यही नहीं, कर्जमाफी का फॉर्म सीएम कैंप कार्यालय गोरखनाथ मंदिर में जमा करने की सूचना भी महिलाओं को दे दी गई। ऐसे में बड़ी संख्या में महिलाएं गोरखनाथ मंदिर पहुंचने लगीं।

उन्हें रोजाना ही गोरखनाथ मंदिर गेट से पुलिस समझाकर लौटा रही थी। इसमें अधिकतर महिलाएं महराजगंज से आई थीं, इस वजह से गोरखपुर पुलिस ने महराजगंज पुलिस को सूचना दी थी। इसके बाद फरेंदा थाने में केस दर्ज कर निराला को गिरफ्तार कर लिया गया। इसी बीच गोरखनाथ थाने में भी उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक के डिविजनल हेड ने भी केस दर्ज करा दिया है।

## आई हास्पिटल का उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

वाराणसी, संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अक्टूबर को वाराणसी में आधुनिक आर झुनझुनवाला शंकरा सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल का उद्घाटन करेंगे, जिसकी स्थापना भारत के अग्रणी आई केयर सर्विस प्रदाताओं में से एक शंकरा आई हॉस्पिटल द्वारा, प्रमुख निवेशक राकेश झुनझुनवाला परिवार और शंकरा आई फाउंडेशन, यूएसए के सहयोग से की गई है। यह अस्पताल क्षेत्र के लोगों को विश्वस्तरीय आई केयर उपचार उपलब्ध कराएगा। उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, जगदगुरू श्री शंकरा विजयेन्द्र सरस्वती स्वामीगल, 70वें जगदगुरू पीठाधिपति– कांची कामकोटि पीठम, कांचीपुरम, तमिलनाडु की मौजूदगी में होगा। एसवी बालासुब्रमण्यम, चेयरमैन, एसईएफआई, पद्मश्री डॉ. आरवी रमणी, संस्थापक और मैनेजिंग ट्रस्टी, शंकरा आई फाउन्डेशन इंडिया, मुरली कृष्णामूर्ति, एक्जक्टिव चेयरमैन शंकरा आई फाउन्डेशन, यूएसए और श्रीमति रेखा झुनझुनवाला जी, सदस्य– बोर्ड ऑफ ट्रस्टी भी मौजूद रहेंगे। वाराणसी का यह अस्पताल देश में शंकरा का 14वां अस्पताल है, जो हर साल सबसे गरीब मरीजों की 30,000 निःशुल्क आई सर्जरियां करेगा। अस्पताल की स्थापना और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि दक्षिण भारत (तमिलनाडु) का कांची कामकोटि मेडिकल ट्रस्ट, जो शंकरा आई हॉस्पिटल को सहयोग प्रदान करता है, ने ऐतिहासिक–सांस्कृतिक महत्व के शहर वाराणसी में अपनी उपस्थिति दर्ज की है।

विश्वस्तरीय सुविधाओं का मिलेगा लाभ

इस विश्वस्तरीय आई केयर सुविधा की स्थापना रु. 110 करोड़ के निवेश से की गई है, इसमें 30 हजार सर्जरियां करने की क्षमता है, अस्पताल में 9 ऑपरेशन थिएटर्स के साथ अन्य जरूरी सुविधाएं होंगी। अपने सुगम संचालन को सुनिश्चित करने तथा सबसे गरीब मरीजों को आई केयर एवं उपचार उपलब्ध कराने के लिए अस्पताल क्रॉस–सब्सिडाइजेशन मॉडल (75:25) पर काम करेगा, जिसमें भुगतान करने वाले मरीजों से आई धनराशि का उपयोग जरूरतमंद मरीजों के उपचार के लिए किया जाएगा। (हमारे 25 फीसदी लाभार्थी 75 फीसदी लाभार्थियों की निःशुल्क सर्जरियों की लागत का वहन करेंगे)। डॉ. आरवी रमणी ने कहा कि भारत में नेत्रहीनों की आबादी दुनिया में सबसे अधिक है। इनमें से 80 फीसदी मामलों में अंधेपन को रोका जा सकता है। शंकरा आई हॉस्पिटल में हम सभी को गुणवत्तापूर्ण आई केयर उपलब्ध कराने के लिए समर्पित हैं। हमने 2030 तक देश भर में 5 लाख फ्री सर्जरियां करने का लक्ष्य रखा है। अस्पताल अनूठे हाइब्रिड मॉडल पर काम करेगा, जिसके तहत न सिर्फ वाराणसी बल्कि उत्तर प्रदेश के आस–पास के गांवों एवं जिलों से आए मरीजों को भी सब्सिडी के साथ सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके लिए संसाधन उन मरीजों से जुटाए जाएंगे जो इलाज का खर्च उठा सकते हैं।

## मर्यादपुर के प्रसूता केंद्र पर परिजनो का हंगामा, लापरवाही का आरोप

मऊ, संवाददाता। रामपुर थाना क्षेत्र के मर्यादपुर बाजार स्थित एक अवैध तरीका से संचालित एक निजी प्रसूता केंद्र में बीते दिनों एक प्रसूता की के गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने चिकित्सक पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। मामले में महिला के पति ने रामपुर थाना में डक्टर के खिलाफ उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दिया है। जानकारी के मुताबिक रामपुर थाना क्षेत्र के गोपालपुर निस्फी निवासी रोहित कुमार पुत्र महेन्द्रनाथ ने इसी माह के 15 तारीख को थाने में तहरीर देकर बताया कि प्रार्थी की पत्नी गर्भवती थी। बीते नौ अक्तूबर को अचानक दर्द होने पर आनन फानन में इलाज के लिए मर्यादपुर बाजार स्थित एक निजी प्रसूति केंद्र में भर्ती कराया। जहां महिला डाक्टर के लापरवाही से मासूम की मौत गर्भवती महिला के पेट में ही हो गई। स्थिति गंभीर देख डाक्टर ने आनन फानन में वहां से रेफर कर दिया। स्थिति गंभीर देख परिजनों ने दूसरे निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

## स्मार्ट काशी एप से जुड़ेंगी वाराणसी नगर निगम की सभी सेवाएं, नहीं लगाना होगा कार्यालय का चक्कर

वाराणसी, संवाददाता। आने वाले दिनों में स्मार्ट काशी एप से नगर निगम की सभी सेवाएं और सुविधाओं को जोड़ा जाएगा। इसकी मदद से नगर निगम अपने सभी 28 मदों से प्राप्त होने वाले लाइसेंस शुल्क, एनओसी और शिकायतों का निस्तारण करेगा। इसके लिए आम आदमी को नगर निगम के कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। लोग इस एप को डाउनलोड कर अपनी समस्या का समाधान करा सकेंगे। हर मद के बारे में जरूरी दस्तावेज और उसके शुल्क के बारे में पूरी जानकारी दी जाएगी। यही पर शिकायतकर्ता अपनी शिकायत मोबाइल नंबर और ई मेल के साथ दर्ज करेगा। इसके बाद संबंधित लाइसेंस और शिकायतों के लिए टाइम लाइन निर्धारित की जाएगी। जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की ओर से निर्धारित समय बीतने पर अलर्ट उच्चाधिकारियों के पास चला जाएगा। इसमें सभी विभागों के फील्ड कर्मचारियों के नाम और नंबर एड किए जा रहे हैं। इससे कोई भी शिकायत तत्काल संबंधित जिम्मेदार के पास पहुंच जाएगी। इसमें कई कॉलम हैं जैसे–24 गुणे 7 हेल्पलाइन, कंप्लेंट, लाइसेंस, जन्म–मृत्यु प्रमाणपत्र, स्क्रैप, एयर पॉल्यूशन कंप्लेंट इत्यादि। पहले यह शिकायतें एक जगह से होकर संबंधित तक जाती थी। अब यह सीधे जिम्मेदार कर्मचारी के पास भेजी जाएंगी। इससे शिकायतों के निस्तारण में काफी आसानी होगी। इस पर समस्या से जुड़ी फोटो भी अपलोड की जा सकती है।

क्या बोले अधिकारी

स्मार्ट काशी एप को बेहतर किया जा रहा है। लोगों को नगर निगम आने की जरूरत नहीं होगी। इस एप से ही नगर निगम की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। इसे जल्द ही लॉन्च करने की तैयारी की गई है।

## धंधेबाजों की भी दिवाली– फर्जी हॉलमार्किंग के जरिए खपा रहे अवैध सोना

गोरखपुर, संवाददाता। दिवाली को लेकर अभी से सोने–चांदी के मार्केट में तेजी आ गई है। ऐसे में धंधेबाज भी अपनी दिवाली जगमग करने में जुट गए हैं। जिले के अलग–अलग गहना बाजारों में फर्जी हॉलमार्किंग के जरिए धंधेबाज अवैध सोना खपा रहे हैं। रोजाना करीब 25 किलो सोना के आभूषण इधर से उधर किए जा रहे हैं। शहर के ऐसे सात धंधेबाजों पर एजेंसियों की नजर है। त्योहार के बीच ही इनपर कार्रवाई की जा सकती है। ऐसे में अगर आप गहनों की खरीदारी कर रहे हैं तो पर्याप्त सावधानी बरतें। सूत्रों के मुताबिक, धंधेबाजों ने चोरी से खुद की दुकान पर ही हॉलमार्किंग मशीन लगाकर एचएम–750 बीआईएस का मार्का लगाकर आभूषण तैयार करना शुरू कर दिया है। इसमें हिंदी बाजार के पांच और आर्यनगर के दो धंधेबाज शामिल हैं। लगभग 16 किलो बुलियन में अवैध सोना गोरखपुर के बाजारों में पहुंच रहा है। ऐसे लगभग 22 करोड़ रुपये के अवैध सोने से आभूषण तैयार कर इसे बिना जीएसटी वाले बिलिंग पर्ची (कच्ची पर्ची) से ग्राहकों को बेचा जा रहा है। ये खपत त्योहार के समय और बढ़ जाएगी। दरअसल, धंधेबाज भी जान गए हैं कि ग्राहकों को हॉलमार्क वाले आभूषणों की खरीदारी ही भा रही है। ऐसे में उन्होंने भी बीच का रास्ता निकाला है। अब अवैध सोने से बने आभूषणों को खपाने के लिए इसपर फर्जी हॉलमार्किंग लगवा दे रहे हैं। जबकि, बैंक से खरीदे सोने (जीएसटी फर्म पर) से तैयार आभूषणों पर फर्म के नाम से बने बिल (जीएसटी नंबर के साथ) वाली बिलिंग कर रहे हैं। बीआईएस को इसकी जानकारी भी मिली है। इसका फायदा है कि अवैध सोने के आभूषणों को बैंक के भाव वाले दर पर ग्राहकों को बेच देते हैं। ग्राहक भी बैंक के भाव वाले दर से सस्ते के चक्कर में कच्ची पर्ची पर ही इस आभूषण को खरीद लेते हैं, लेकिन इसमें फायदा धंधेबाजों का ही होता है। जबकि, नियमानुसार ग्राहकों को पक्के पर्ची वाले बिल (जीएसटी बिल) ही दुकानदार से लेने चाहिए।

अध्यक्ष के नाम पर ही बेची जा रही थी फर्जी हॉलमार्किंग

हिंदी बाजार में धंधेबाजों की संख्या अचानक बढ़ गई है। अभी कुछ दिनों पहले ही एक धंधेबाज के पास सराफा के अध्यक्ष की दुकान के नाम के फर्जी हॉलमार्किंग वाले जेवर रखे मिले थे। धंधेबाज ने बंधोल के जेवरों पर हॉलमार्किंग कराई थी। शिकायत पर पुलिस के साथ सराफा संगठन की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई की गई थी। केस दर्ज कर कार्रवाई की गई थी।

बीआईएस केयर एप से ग्राहक खुद कर सकते हैं जानकारी

ग्राहक खुद अपने स्तर से ही तय कर सकते हैं कि गहने नकली तो नहीं। जैसे, ग्राहक किसी दुकानदार के पास गया। अगर दुकानदार बाजार भाव से कम पर आभूषण बेच रहा है तो पहले देखें कि बिलिंग पर्ची कैसी दी है। कच्ची है या पक्की। इसके बाद मोबाइल में बीआईएस केयर एप से ग्राहक हॉलमार्किंग की जांच खुद कर सकते हैं। शुद्धता जांचने के लिए ज्वेलरी का एचयूआईडी नंबर डालकर एप के वेरिफाई एचयूआईडी को जांचना होगा। बीआईएस की ओर से पंजीकृत दुकानदार होगा तो आईएसआई, हॉलमार्क और सीआरएस पंजीकरण चिह्नों की प्रामाणिकता एप पर दिख जाएगी।

त्योहार में बीआईएस ने 200 दुकानदारों को दी बड़ी राहत

त्योहार के बीच भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सोने–चांदी के 200 व्यापारियों को बड़ी राहत दी है। ये वे व्यापारी हैं, जिनका बीआईएस मानक पंजीकरण सस्पेंड हो गया था। वे फीस जमा कर फिर से अपने पंजीकरण को करवाने के चक्कर में थे। अब बीआईएस ने त्योहारों को देखते हुए उनके पूर्व के लाइसेंस नंबर की वैधता बढ़ा दी है। इसके लिए उन्हें अतिरिक्त शुल्क भी नहीं देना होगा। सिर्फ अपने बीआईएस हॉलमार्क नंबर के साथ जाकर अपने आभूषणों पर एचयूआईडी मार्का करा सकते हैं। एबी हॉलमार्किंग सेंटर के सीईओ पवन वर्मा ने बताया कि बीआईएस के इस फैसले से बहुत से व्यापारियों को राहत मिली है।

बजट में पास तो कर दिया, लेकिन लिखित आदेश नहीं आया

सराफा मंडल के अध्यक्ष गणेश वर्मा ने बताया कि बजट में सोने पर लगने वाले कर में 6 प्रतिशत की छूट दी गई थी, लेकिन अभी इसे लेकर शासन की तरफ से लिखित आदेश नहीं आया है। बैंक से पहले वाले कर के भाव से ही खरीद–बिक्री हो रही है। इसका फायदा धंधेबाज उठा रहे हैं। अवैध सोने की खरीद, बैंक के भाव से सस्ती पड़ती है। ऐसे में अभी भी पहले की तरह ही सोना खप रहा है। ग्राहकों को चाहिए कि बीआईएस मानक के अनुरूप नहीं होने पर सराफा कमेटी से शिकायत कर सकते हैं।

दुकान छोटी, सौदा बड़ा

शहर के हिंदी बाजार से लेकर आर्यनगर इलाके और रुस्तमपुर क्षेत्र में दुकानें छोटी होने के बाद भी धंधेबाजों का धंधा बड़ा है। ये अवैध सोने के आभूषणों पर फर्जी हॉलमार्किंग लगाकर आस–पास के क्षेत्रों में आपूर्ति दे रहे हैं। इससे ग्रामीण अंचल में इनके आभूषण की खपत हो जा रही है। सोने पर बैंक के भाव से दाम मिल जा रहा है। धंधेबाजी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इस समय बैंक के सोने का भाव 77,730 रुपये प्रति दस ग्राम है, जबकि धंधे वाले सोने का भाव 77,600 हजार रुपये प्रति दस ग्राम। ऐसे में कुल 300 रुपये प्रति दस ग्राम सस्ता है। ये तब होता है, जब बाजार में धंधेबाजी वाले सोने की मांग औसत से कम हो जाती है। इस समय गोरखपुर की तुलना में धंधेबाजी वाला सोना नेपाल में खूब खपाया जा रहा है। इस वजह से गोरखपुर और आस–पास में इसका भाव कम हो गया है।

नेपाल में प्रति दस ग्राम 5 हजार रुपये अधिक का भाव

इन दिनों गोरखपुर की तुलना में यहां से नेपाल में सोने की तस्करी खूब हो रही है। गोरखपुर में सोने का भाव अगर 78 हजार रुपये प्रति दस ग्राम है तो नेपाल में इसका भाव भारतीय मुद्रा में 83 हजार रुपये होगा।

ऐसे प्रति दस ग्राम 5 हजार रुपये अधिक के भाव से नेपाल में सोना खपाया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि पिछले दिनों नेपाल से भारत में प्रवेश करने के बाद डीआरआई ने कुछ लोगों को अवैध सोने के साथ पकड़ा था। सूत्र ने बताया कि ये नेपाल से ही सोना खपाकर लौट रहे थे। इनके पास से बचे सोने और नकदी को एजेंसी ने पकड़ा था।

### शराब की खेप के साथ बिहार पुलिस का दरोगा गिरफ्तार

बलिया, संवाददाता। बलिया की शहर कोतवाली पुलिस ने जमुआ बांध से शराब तस्करी के आरोप में बिहार पुलिस के एक दरोगा को गिरफ्तार किया है। उसकी कार से विभिन्न ब्रांड की 121 लीटर अवैध खराब बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार सूचना के आधार पर छापेमारी की गई थी। शराब को अपनी शादी में ले जाने की बात बता रहा था। उसके साथ में उसकी होने वाली पत्नी भी मौजूद थी। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) कृपा शंकर ने बताया कि शहर कोतवाली पुलिस जमुना बांध के चाभी घाट के पास मौजूद थी। पुलिस टीम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति कार में अवैध शराब लेकर आ रहा है। कोतवाली पुलिस ने जमुआ बांध पर घेराबंदी कर एक कार को रोका। कार से गिरफ्तार रवि किशन पराशर पुत्र स्व. पशुपति नाथ निवासी मिश्रवलिया पोस्ट जलालपुर थाना जलालपुर जनपद सारण बिहार पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।